

सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र



अमरोहा के छात्रों ने प्रदेशीय एथलेटिक प्रतियोगिता में जीते पदक पेज: 3

बैचलर पार्टी डी यू स मेंपेरिस लक्ष्मी की एंट्री पेज: 8

वर्ष : 02 | अंक : 211 | गुरुवार 05 नवंबर 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

गिडिपाबली में भूस्खलन के बाद बचाव अभियान रोका, 10 लोग अब भी लापता

भुवनेश्वर, एजेंसी। ओडिशा के कंधमाल जिले के भूस्खलन प्रभावित गिडिपाबली गांव में खराब मौसम और लगातार भूस्खलन के खतरे को देखकर बचाव अभियान को रोक दिया। हादसे में अब भी 10 लोग लापता हैं। प्रशासन के इस फैसले के बाद लापता लोगों के परिजनों ने अंतिम संस्कार की रस्में पूरी करने की तैयारी शुरू कर दी है। कंधमाल के जिलाधिकारी वेदभूषण ने बताया कि विशेषज्ञों के अनुसार, लापता लोगों के शव करीब 30 फुट गहरे मलबे में दबे हो सकते हैं। घटनास्थल पर तीन बार भूस्खलन होने से हालात बेहद गंभीर हैं। मलबा हटाने के लिए विस्फोट करने पर फिर भूस्खलन होने और बचावकर्मियों की जान को खतरा होने की आशंका है। परिवारों की सहमति से फिलहाल अभियान रोकने का निर्णय लिया है। जिलाधिकारी के अनुसार, यदि अगले दो-तीन दिनों में मौसम साफ रहता है, तब अभियान बंद करने से पहले एक बार फिर तलाश की जाएगी। राज्य सरकार ने चक्रवात अर्नब के कारण हुई भारी बारिश के बाद शुक्रवार को बचाव अभियान शुरू किया था। इसमें एनडीआरएफ, रेलवे की टीमों, आईआईटी विशेषज्ञों, श्वान दस्तों और अत्याधुनिक उपकरणों की मदद ली गई।

खूंटी में शर्मनाक वारदात : तीन नाबालिगों से दुष्कर्म के आरोप में तीन करीबी रिश्तेदार गिरफ्तार

खूंटी, एजेंसी। झारखंड के खूंटी जिले से मानवता को शर्मसार करने वाला गंभीर मामला सामने आया है, जहां दो सगी बहनों सहित तीन नाबालिग लड़कियों के साथ उनके ही करीबी रिश्तेदारों द्वारा कथित तौर पर दुष्कर्म करने सनसनीखेज मामला प्रकाश में आया है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई कर तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के अनुसार, यह पूरी घटना दो नवंबर को खूंटी थाना क्षेत्र के अंतर्गत हुई। पुलिस के मुताबिक, एक पीड़िता ने अपने एक दोस्त की जन्मदिन की पार्टी में शामिल होने के लिए मुरहू में रहने वाली दोनों बहनों को आमंत्रित किया था। आरोप है कि पार्टी समाप्त होने के बाद तीनों आरोपी लड़कियों को बहला-फुसलाकर अलग-अलग स्थानों पर ले गए और वहां उनके साथ यौन शोषण की इस घृणित वारदात को अंजाम दिया। खूंटी के पुलिस अधीक्षक (एसपी) ऋषभ गर्ग ने बताया कि इस मामले में तीनों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पकड़े गए सभी आरोपी वयस्क हैं और पीड़ितों के करीबी रिश्तेदार बताए जा रहे हैं। पुलिस ने पीड़िताओं के बयानों के आधार पर महिला पुलिस थाने में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम की संबंधित गंभीर धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, सभी पीड़ित लड़कियों की उम्र 15 से 17 वर्ष के बीच है। घटना के तुरंत बाद पुलिस ने सभी पीड़िताओं की आवश्यक चिकित्सकीय जांच कराई है। फिलहाल, कानून के जानकारों और महिला पुलिस बल की देखरेख में मामले की आगे की गहन जांच की जा रही है ताकि दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलाई जा सके।

एआई से छात्रा की अश्लील तस्वीर बनाने वाले बस चालक को 25 साल की सजा

बलिया, एजेंसी। उत्तरप्रदेश के बलिया की स्थानीय अदालत ने आठवीं कक्षा की छात्रा की कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का इस्तेमाल कर अश्लील तस्वीर बनाने और सोशल मीडिया पर वायरल करने के मामले में कड़ा रुख अपनाया है। अदालत ने स्कूल बस के चालक संजीत कुमार को दोषी करार देकर 25 साल के कारावास और 55 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है। अभियोजन पक्ष के अनुसार, यह घटना करीब डेढ़ साल पुरानी है। भीमपुरा थाने में पीड़ित छात्रा के पिता ने पिछले साल 7 मई को शिकायत दर्ज कराई थी। आरोपी संजीत कुमार स्कूल में अनुबंध पर वाहन चलाता था।

पीएम मोदी के मार्गदर्शन में अयोध्या की सांस्कृतिक पहचान को मिला नया गौरव: मुख्यमंत्री योगी

अयोध्या: उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में डबल इंजन सरकार ने अयोध्या की सांस्कृतिक पहचान को नया गौरव दिया है। साथ ही, मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे लिए पूरा प्रदेश ही परिवार है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को अयोध्या के दीपोत्सव पर बात की। उन्होंने एक्स पोस्ट में कहा, श्री अयोध्या जी का दीपोत्सव आज भारत और विश्व के मध्य एक अद्भुत सांस्कृतिक रामसेतु बन गया है। श्रीलंका, दक्षिण अफ्रीका, इंडोनेशिया और थाईलैंड सहित विभिन्न देशों के कलाकार अपनी भाषा और परंपराओं में रामकथा को जीवंत करते हैं। जैसे अनेक नदियां एक ही सागर में मिलती हैं, वैसे ही विभिन्न संस्कृतियों की ये धाराएं अयोध्या जी में आकर एक ही रामत्व में समाहित हो जाती हैं। सीएम योगी ने कहा, आधुनिक तकनीक इस सांस्कृतिक



संगम को और भव्य बनाते हुए नई पीढ़ी को अपनी गौरवशाली विरासत से जोड़ रही है। इसी बीच, उन्होंने समाजवादी पार्टी पर भी हमला बोला। मुख्यमंत्री ने एक्स पोस्ट में कहा, वर्ष 2017 से पहले सत्ता में बैठे लोगों की सांस्कृतिक सोच सैफई महोत्सव में अपने परिवार का वैभव दिखाने तक सीमित थी। श्री अयोध्या जी की महान विरासत उनकी प्राथमिकता में नहीं थी।। सीएम योगी ने आगे कहा, ।।उनके लिए परिवार ही प्रदेश था, हमारे लिए पूरा प्रदेश ही परिवार है। उन्होंने कहा कि ह्यप्रदेश ही परिवार है की सोच के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में डबल इंजन सरकार ने अयोध्या जी की सांस्कृतिक पहचान को नया गौरव दिया है। आज दीपोत्सव सिर्फ दीपों का उत्सव नहीं, बल्कि करोड़ों रामभक्तों की आस्था, आधुनिक तकनीक और भारत की सनातन विरासत का ऐसा संगम है, जिसकी आभा पूरे विश्व तक पहुंच रही है। बता दें कि दिवाली पर अयोध्या में परंपरागत दीयों की रोशनी के साथ आधुनिक तकनीक का संगम सरयू घाटों पर दृश्य रचा जाएगा।

कहानी, नृत्य, संगीत, वॉयस ओवर और प्रकाश प्रभावों के समन्वय से श्रीराम के अयोध्या आगमन की कथा क्रमबद्ध ढंग से प्रस्तुत की जाएगी। हिंदी में तैयार ...

उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग की ओर से दीपोत्सव के दौरान मल्टीमीडिया प्रोजेक्शन और लेजर शो के साथ 100 से अधिक कलाकारों का लाइव परफॉर्मेंस होगा। राम की पैड़ी पर 7 नवंबर को होने वाले भव्य आयोजन में दीपों की आभा को कृत्रिम रोशनी, तकनीक और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ जोड़कर आगंतुकों के लिए विशेष अनुभव प्रस्तुत करेगा। 7 नवंबर (दीपोत्सव-2026) को मुख्य आयोजन में 100 से अधिक भारतीय लोक और शास्त्रीय कलाकार प्रस्तुति देंगे। सभी कलाकारों की वेशभूषा दीपोत्सव की सांस्कृतिक और थीम आधारित होगी। कहानी, नृत्य, संगीत, वॉयस ओवर और प्रकाश प्रभावों के समन्वय से श्रीराम के अयोध्या आगमन की कथा क्रमबद्ध ढंग से प्रस्तुत की जाएगी। हिंदी में तैयार पटकथा को नाटकीय रूप देने की जिम्मेदारी प्रसिद्ध या राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त क्रिएटिव डायरेक्टर अथवा स्क्रिप्ट राइटर के निर्देशन में होगी।

पीएम मोदी को खड़गे की चुनौती, राहुल गांधी से खुली बहस क्यों नहीं कर रहे?

राहुल गांधी ने कहा, 24 घंटे हो गए अभी तक जबाव नहीं आया

नई दिल्ली , एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधकर सवाल किया है कि वे वोट चोरी के आरोपों का जवाब देने से क्यों बच रहे हैं। कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने कहा कि राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री मोदी को खुली बहस की चुनौती दी है, लेकिन अब तक उनकी ओर से कोई जवाब नहीं आया है। उन्होंने आरोप लगाया कि गंभीर सवालों का सामना करने के बजाय प्रधानमंत्री मोदी विपक्ष के खिलाफ दिमागी नक्सल जैसे बयान दे रहे हैं। कांग्रेस नेता खड़गे ने पोस्ट कर चुनाव आयोग और भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) की घेराबंदी की। उन्होंने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए। कांग्रेस नेता खड़गे का आरोप है कि आयोग ने इस प्रक्रिया को लेकर पांच बार अपना रुख बदला है। उन्होंने फॉर्म-6 का जिक्र कर दावा किया कि चुनाव आयोग के कुछ अन्य आयुक्तों ने इस फार्म को गैरकानूनी बताया था।

कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि गृह मंत्री देश में तीन करोड़ घुसपैठियों के होने का दावा करते हैं, लेकिन इतने वर्षों तक इस पद पर रहने के बावजूद अवैध घुसपैठ रोकने में मोदी सरकार क्यों सफल नहीं हुई? खड़गे ने मामले में केंद्रीय गृह मंत्री की जिम्मेदारी पर सवाल उठाए।

कांग्रेस नेता खड़गे ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ महाभियोग की मांग और वोट बचाओ रैली का उल्लेख कर कहा कि इन घटनाओं से प्रधानमंत्री मोदी और अमित शाह को परेशान कर दिया हैं। उन्होंने संसद सत्र को लेकर भी मोदी सरकार पर सवाल उठाए। खड़गे के मुताबिक, बीते संसद सत्र के समाप्त होने के 83 दिन बाद सरकार विशेष सत्र बुलाने की बात कर रही है। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी से संसद में आकर पत्रकारों के सामने सवालों का जवाब देने और राहुल गांधी के साथ खुली बहस करने की मांग की। इसके पहले राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री मोदी को खुली बहस की चुनौती दी थी। उन्होंने कहा कि उनकी चुनौती के 24 घंटे बीत चुके हैं, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। राहुल गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री अपनी पसंद का मंच और स्थान चुन सकते हैं। बहस के दौरान मीडिया और देश के युवाओं की मौजूदगी भी होनी चाहिए। उन्होंने बहस का मुद्दा देश विरोधी गतिविधियों और विदेशी ताकतों से संबंधों को बनाने की बात कही। राहुल गांधी ने सुझाव दिया कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत बहस के निर्णायक हो सकते हैं।

गौरतलब है कि राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री मोदी पर विदेशी ताकतों की मदद से



सत्ता में आने और उनके सहारे सत्ता में बने रहने के आरोप लगाए थे। उन्होंने भारत की वित्तीय व्यवस्था पर भी विदेशी ताकतों के प्रभाव का दावा किया था। यह राजनीतिक विवाद गुजरात में सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर आयोजित राष्ट्रीय एकता दिवस कार्यक्रम के बाद तेज हुआ। इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी ने विपक्ष पर देश के विकास में बाधा डालने का आरोप लगाया था। इसके बाद से कांग्रेस और बीजेपी के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है।

श्रीनगर में आग से 80 अस्थायी शेल्टर राख, कबाड़ा जमा करने वाले दो लोगों की मौत

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में आग लगने से दो कबाड़ इकट्ठा करने वालों की मौत हो गई और करीब 80 अस्थायी शेल्टर जलकर राख हो गए। अधिकारियों ने बताया कि श्रीनगर के बेमिना के दुर्बल में सुबह-सुबह अस्थायी शेल्टर में लगी भीषण आग में दो कबाड़ इकट्ठा करने वालों की मौत हो गई। उन्होंने कहा कि आग आधी रात को लगी, जिसने तिरपाल और लकड़ी से बने करीब 80 अस्थायी शेल्टरों को अपनी चपेट में ले लिया। आग में एक खाली पोल्ट्री फार्म और एक टिपर को भी नुकसान पहुंचा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अधिकारियों ने बताया कि फायर कर्मियों ने आग पर काबू पाया।



चश्मदीदों ने बताया कि आग बुझाने के लिए फायर एंड इमरजेंसी सर्विसेज को बुलाने से पहले ही आग पूरे इलाके में फैल चुकी थी। आग पर काबू पाने के बाद मलबे से दो लाशें मिलीं। मरने वाले दोनों लोग दिल्ली के रहने वाले थे। उनकी पहचान मोहम्मद नूर आलम (27) और अल अमीन (16) के रुप में हुई। दोनों बेमिना के दुर्बल में स्क्रैप इकट्ठा करने का काम करते थे। अधिकारियों ने कहा कि एफएसएल की कार्रवाई पूरी होने के बाद दोनों शव पुलिस को सौंप दिए गए। आग लगने की वजह का पता नहीं चला है। पुलिस ने इस घटना में केस दर्ज कर लिया है। अधिकारियों ने कहा है कि करीब 80 से 95 फीसदी आग लगने की वजह इंसानी गतिविधियां होती हैं। बिना देखरेख के या ठीक से न बुझाए गए कैंपफायर आग लगने का एक मुख्य कारण हैं। गाड़ियों से या चलते समय लापरवाही से फेंके गए सिगरेट के टुकड़े, यार्ड का कचरा, कूड़ा या खेती/काट-छांट कर जलाए गए खेत जो काबू से बाहर हो जाते हैं, चेनसॉ, गाड़ियों, या सूखी सड़कों पर टो चेन खींचने से निकलने वाली चिंगारी, और गिरी हुई बिजली की लाइनें, ये सभी अचानक आग लगने के बड़े कारण हैं।

अपनी सुरक्षा के लिए बॉडीगार्ड लेकर चलना मजबूरी है, मरवा सकते हैं खान सर

- ज्ञान बिंदु कोचिंग के मालिक रौशन आनंद ने एक इंटरव्यू में लगाए गंभीर आरोप

पटना, एजेंसी। बिहार में खान सर और ज्ञान बिंदु कोचिंग सेंटर के मालिक रौशन आनंद के बीच विवाद फिर चर्चा में है। रौशन आनंद ने एक इंटरव्यू में खान सर पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि अपनी सुरक्षा के लिए बॉडीगार्ड लेकर चलना उनकी मजबूरी है। रौशन आनंद ने दावा किया कि खान सर उन्हें भी मरवा सकते हैं और अपने बचाव के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि खान सर बेहद धूर्त हैं और यदि उन्हें लगता है कि किसी की जान लेकर वह सुरक्षित रह सकते हैं, तो वह ऐसा भी कर सकते हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक आनंद ने 2 जून को हुई गोलीबारी की घटना को लेकर भी सवाल उठाए। उन्होंने दावा किया कि इस मामले की निष्पक्ष जांच होने पर सच्चाई सामने आ जाएगी। उनके मुताबिक गोलीकांड सरकारी बॉडीगार्ड हासिल करने के उद्देश्य से किया गया था। उन्होंने खुद पर दर्ज प्राथमिकी को झूठा बताते हुए कहा कि 3 जून की सुबह करीब 4 बजे बिना उचित जांच के उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया था। आनंद ने पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए खान सर के खिलाफ लगाए गए पुराने आरोपों की जांच नहीं होने का भी मुद्दा उठाया। उन्होंने मोकामा के विधायक अनंत सिंह के बयान का जिक्र करते हुए कहा कि ना जीने की खुशी, ना मरने का गम। रौशन आनंद ने कहा कि अब उनकी जिंदगी भी इसी स्थिति में पहुंच गई है। उन्होंने अपने भाई प्रिंस की नेपाल में संदिग्ध मौत का जिक्र करते हुए खान सर पर गंभीर आरोप भी लगाए। हालांकि, खान सर इन आरोपों को पहले ही बेबुनियाद बता चुके हैं।

अब्दुल रहमान की जीत पर ओवैसी... अब अब्दुल दरी नहीं बिछाएंगे

मिशीगन से सीनेट चुनाव जीतकर रखा इतिहास

नई दिल्ली, एजेंसी । अमेरिका के मिशिगन में अब्दुलर हमान मोहम्मद अल-सैयद की सीनेट चुनाव में जीत ने दुनियाभर में सुर्खियां बटोरी हैं। वह अमेरिकी सीनेट के लिए चुने जाने वाले पहले मुस्लिम हैं, जिसकी गूंज भारत तक पहुंची और एआईएमआईएम प्रमुख और हैदराबाद से सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने जीत को उत्तर प्रदेश के मुसलमानों के लिए राजनीतिक पहचान मजबूत करने का संदेश बताया।

ओवैसी ने लिखा, एक अब्दुल मिशिगन में जीत गया, अब यूपी के अब्दुल को भी अपनी सियासी पहचान मज़बूत करनी होगी। संघियों ने अब्दुल को तंज़ में बदलने की बहुत कोशिश की है। वक़्त आ गया है कि हम दिखाएं कि अब्दुल अल्लाह के सिवा किसी की गुलामी नहीं करता। अब दरी नहीं



बिछाएंगे। उनका यह बयान उत्तर प्रदेश के मुसलमानों को अपनी राजनीतिक ताकत पहचानने और मजबूत करने की अपील के तौर पर देखा जा रहा है।

बात दें कि मिस्र-अमेरिकी मूल के डॉक्टर और प्रगतिशील नेता अल-सैयद ने मिशिगन में रिपब्लिकन उम्मीदवार माइक रोजर्स के खिलाफ एक कड़े मुकाबले में जीत हासिल की। उनकी यह जीत अमेरिकी राजनीति में एक ऐतिहासिक क्षण मानी जा रही है, खासकर इसलिए क्योंकि उन्हें चुनाव प्रचार के दौरान लगातार इस्लामोफोबिक हमलों का सामना करना पड़ा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने उन्हें जिहादी तक कहा और यहां तक कि अपनी ही पार्टी के भीतर से भी उन्हें विरोध झेलना पड़ा, जब अगस्त में उनसे प्राइमरी में हारने वाली हेली स्टीवंस ने रिपब्लिकन उम्मीदवार का समर्थन कर दिया।

जीत का दावा करने के बाद, अल-सैयद ने अपने भाषण में अमेरिकी व्यवस्था पर कॉरपोरेट कंपनियों और अरबपतियों के बढ़ते प्रभाव पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि दुनिया के सबसे अमीर और ताकतवर देश में लोगों को राशन, पेट्रोल, घर या डॉक्टर को दिखाने जैसी बुनियादी जरूरतों के लिए संघर्ष नहीं करना चाहिए। अल-सैयद ने स्पष्ट किया कि करदाताओं का पैसा लोगों और उनके बच्चों पर खर्च होना चाहिए, न कि दूसरे देशों के बच्चों पर बम गिराने में होना चाहिए। उन्होंने कहा कि अमेरिका की महानता अपनी कमियों को नजरअंदाज करने में नहीं, बल्कि उन्हें सुधारने की हिम्मत दिखाने में है। उनकी यह जीत अमेरिकी राजनीति में एक नए अध्याय की शुरुआत का प्रतीक है।

पंजाब में इंसाफ की बात करने से पहले 1984 के मामले पर जवाब देना था

-राहुल गांधी की इंसाफ रैली को लेकर बीजेपी नेता ने बोला तीखा हमला

चंडीगढ़, एजेंसी। पंजाब विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। इसी बीच कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की बुधवार को संगरूर जिले में होने वाली इंसाफ रैली को लेकर बीजेपी नेता सतीश पूनिया ने कहा कि 1984 में जो कुछ हुआ था, उसे देश की जनता आज तक नहीं भूली है। चंडीगढ़ में मीडिया से बातचीत के दौरान पूनिया ने कहा कि राहुल गांधी को पंजाब में इंसाफ की बात करने से पहले 1984 के मामले पर जवाब देना चाहिए था।

उन्होंने कहा कि अच्छी बात तो यह होती कि राहुल गांधी इस मामले में पंजाब की जनता के सामने जवाब लेकर आते। ऐसे में राहुल गांधी जब पंजाब आकर राज्य के हक की बात करते हैं, तो उन्हें पहले अपने गिरेबान में झांकना चाहिए। राहुल की ओर से पीएम मोदी को बहस की चुनौती दिए जाने पर पूनिया ने कहा कि देश की जनता ने कांग्रेस को करीब 55 साल तक शासन करने का अवसर दिया है। ऐसे कई मुद्दे हैं, जिन पर आम नागरिक भी कांग्रेस से सवाल पूछते हैं, लेकिन पार्टी के पास जवाब नहीं होते। राहुल गांधी को पीएम मोदी से बहस करने से पहले अपनी ही पार्टी के भीतर देखना चाहिए और परखना चाहिए कि कांग्रेस की सरकारों ने क्या काम किया है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी किसी आम बीजेपी कार्यकर्ता के साथ भी बहस कर लें, तो उन्हें कांग्रेस से जुड़े कई सवालों के जवाब मिल जाएंगे।

पूनिया ने कहा कि पंजाब कभी सुख-शांति और भाईचारे के लिए जाना जाता था, लेकिन 1984 की घटनाओं ने राज्य और देश के सामने गहरा जख्म छोड़ दिया। उन्होंने दावा किया कि उन घटनाओं से प्रभावित परिवारों को राहत देने के लिए दिल्ली और हरियाणा की बीजेपी सरकारों ने प्रयास किए हैं। उन्होंने कांग्रेस की ओर से 1 नवंबर को आयोजित रैली पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि जिस दिन 1984 में नरसंहार और कत्लेआम हुआ था, उसी दिन बड़ी रैली आयोजित करने के पीछे कांग्रेस की मंशा क्या थी, यह समझ से परे है। नई पीढ़ी को भी उस घटना के बारे में याद रखना चाहिए और पीड़ित समुदाय के साथ जो हुआ, उसे भुलाया नहीं जा सकता। पंजाब में बीजेपी के साथ अन्य पार्टियों के गठबंधन पर पूनिया ने कहा कि कुछ फैसलों के लिए अभी इंतजार करना चाहिए।



संपादकीय

गरीबी के आंकड़े

विश्व बैंक की निर्धनता एवं समानता संबंधी रिपोर्ट में यह कहा जा रहा है कि वर्ष 2011 से 2023 के बीच देश में करीब पचास करोड़ लोग गरीबी की रेखा से बाहर निकाले गए। इस रिपोर्ट में आगे कहा गया कि अत्यधिक निर्धन वर्ग के लोगों की संख्या में भी करीब पच्चीस फीसदी की कमी आई है। यह संख्या अब घटकर कुल आबादी की 2.6 फीसदी रह गई है। दावा किया जा रहा है कि निम्न मध्यम वर्ग के लोगों की तादाद में भारी कमी आ रही है। निस्संदेह, इन आंकड़ों को लेकर सरकारें अपनी पीठ थपथपा सकती हैं। कहा जा रहा है कि राजग सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की इसमें अहम भूमिका रही। लेकिन सवाल यह है कि ये आंकड़े कितने प्रामाणिक हैं और क्या विज्ञान-सम्मत तरीके से लिये गए हैं? अर्थशास्त्र में आंकड़ों को लेकर एक मशहूर उक्ति है- 'आंकड़े ऐसी कच्ची मिट्टी है, जिससे देवता और दैत्य दोनों बनाए जा सकते हैं।' यानी सरकारें उनका उपयोग अपनी सुविधा के अनुसार कर सकती हैं। हालांकि, गरीबी में कमी की यह शुरुआत संप्रग सरकार के समय के आंकड़ों के साथ की गई है। जिसकी समयावधि वर्ष 2011 से शुरू होती है। राजग सरकारों के कार्यकाल में जरूर अधिक समय को अध्ययन में शामिल किया गया है। जिसमें निर्धनता की आई कमी के कारणों में खपत में वृद्धि, रोजगार और खासकर महिलाओं के रोजगार में वृद्धि, सामाजिक कल्याण योजनाओं तथा खाद्य सब्सिडी जैसे कार्यक्रम को शामिल किया गया है। लंबे समय से देश राजनेताओं के गरीबी हटाओ के नारों व कार्यक्रमों का साक्षी रहा है। लेकिन उन कार्यक्रमों की सफलता इस बात पर निर्भर होती है कि गरीब कल्याण की योजनाओं का कितने कारगर ढंग से क्रियान्वयन हुआ। कितनी ईमानदारी से गरीब के हाथ में कल्याण योजनाओं की राशि पहुंची। बहरहाल, राजग सरकार का दावा है कि गरीबी रेखा के नीचे रहने वालों को इससे बाहर निकालने में जन-धन योजना,प्रधानमंत्री आवास योजना,घर-घर शौचालय, घर-घर नल व आयुष्मान योजना की बड़ी भूमिका रही है।

एक समय था कि पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने कहा था कि लोककल्याण के कार्य हेतु आवंटित हुए एक रुपये में से सिर्फ पंद्रह प्रतिशत ही जरूरतमंद के हाथ में पहुंचता है। हालांकि, न खाऊंगा और न खाने दूंगा के उद्घोष के बाद वास्तविक स्थिति में क्या बदलाव आया, यह अध्ययन का विषय होना चाहिए। हालांकि, विपक्षी नेता इस स्थिति के बावजूद मुफ्त खाद्यान्न वितरण कार्यक्रम की जरूरत को लेकर भी सवाल उठाते हैं। यह सुखद है कि देश में कुछ जनकल्याणकारी योजनाओं से लोगों को अपना जीवन स्तर सुधारने का अवसर मिला। लेकिन देश में अक्सर यह सवाल उठाया जाता रहा है कि जब भारत दुनिया में सबसे तेज गति से विकसित होती अर्थव्यवस्था है, तो लोगों के जीवन में व्यापक बदलाव क्यों नहीं आता? क्यों देश में अमीरी-गरीबी की खाई लगातार बढ़ती जा रही है? सही मायने में किसी देश में होने वाला विकास न केवल तर्कसंगत होना चाहिए, बल्कि न्यायसंगत भी होना चाहिए। वैसे यदि वास्तव में आंकड़ों के अनुसार देश में गरीबी में कमी आई है तो यह हमारे लिये उत्साहजनक स्थिति है। यह जानते हुए कि इस अवधि में हमने कोरोना का भयावह काला दौर देखा था। भारी संख्या में जनधन की हानि हुई, लेकिन अब ये अतीत की बातें बन चुकी हैं। बहरहाल, विश्व बैंक के आंकड़ों के आलोक में केंद्र सरकार को देश में गुणवत्ता वाले रोजगार के अवसरों में तुरंत वृद्धि करनी चाहिए। उसे महसूस करना चाहिए कि देश में युवा सड़कों पर क्यों हैं। उसके लिये अवसरों की कमी क्यों हो रही है? देश में आय की असमानता कैसे दूर होगी? निस्संदेह, भारत एक श्रमप्रधान देश है। देश की बड़ी आबादी सघन श्रमशक्ति वाले उद्योगों से जुड़ी है। ऐसे में जब पश्चिमी देशों में एआई केंद्रित उत्पादकता पर बल दिया जा रहा है, तो भारतीय श्रमप्रधान उद्योगों को बचाने की जरूरत होगी। तभी हमारे देश में आर्थिक असमानता दूर करने और गरीबी उन्मूलन के लक्ष्य पाये जा सकेंगे।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

दान की महिमा जीवन को महान बनाने का सबसे पवित्र मार्ग है



कांतिलाल मांडोत

मनुष्य के जीवन की वास्तविक सार्थकता केवल धन कमाने और सुख-सुविधाओं का संग्रह करने में नहीं, बल्कि अपने अर्जित संसाधनों से दूसरों के जीवन में खुशियां लाने में है। भारतीय संस्कृति और धर्म परंपरा में दान को हमेशा सर्वोच्च स्थान दिया गया है। दान केवल धन या वस्तु देने का नाम नहीं, बल्कि करुणा, उदारता, परोपकार और मानवीय संवेदनाओं की अभिव्यक्ति है। एक प्रसिद्ध लोकोक्ति है- भीख में से भीख दे, तीन लोक जीत ले। इसका भाव यही है कि जिसके पास स्वयं बहुत कम है, वह भी अपनी सामर्थ्य के अनुसार किसी जरूरतमंद की सहायता कर सकता है। दान का मूल्य वस्तु की कीमत से नहीं, बल्कि देने वाले की भावना से निर्धारित होता है।

संतों और महापुरुषों ने कहा है कि धन की तीन गतियां होती हैं- दान, भोग और नाश। जो धन दूसरों के काम आता है, वही धन सार्थक होता है। जो व्यक्ति न स्वयं उसका सदुपयोग करता है और न किसी जरूरतमंद को देता है, उसका धन अंततः नष्ट हो जाता है। इसलिए जीवन में संचय के साथ सदुपयोग और परोपकार का भाव भी आवश्यक है। अनुभव बताता है कि केवल संग्रह करने से मनुष्य को स्थायी संतोष नहीं मिलता, जबकि दूसरों के साथ बांटने से आत्मिक आनंद और समाज में सम्मान प्राप्त होता है। यही कारण है कि भारतीय चिंतन में कहा गया है कि कमाई अपने हाथों से करो और दान हजार हाथों से करो।

प्रकृति भी हमें देने का संदेश देती है। सूर्य बिना किसी भेदभाव के प्रकाश देता है, वायु सभी को जीवन प्रदान करती है और नदियां अपना जल दूसरों के लिए बहाती हैं। वृक्ष स्वयं धूप और वर्षा सहन करके दूसरों को फल, छाया और प्राणवायु देते हैं। प्रकृति का प्रत्येक तत्व हमें सिखाता है कि जीवन का उद्देश्य केवल लेना नहीं, बल्कि देना भी है। मनुष्य प्रकृति से जीवनभर अनेक उपहार प्राप्त करता है। इसलिए उसके प्रति कृतज्ञता प्रकट करने का एक मार्ग परोपकार और दान भी है। जैसे किसान खेत में बीज डालता है और कुछ समय बाद वही बीज अनेक गुना होकर लौटता है, वैसे ही निस्वार्थ भाव से किया गया दान भी जीवन में सद्भाव और पुण्य का आधार बनता है।

दान करते समय भावना की पवित्रता सबसे अधिक महत्वपूर्ण है। दान का उद्देश्य किसी पर उपकार जताना, अपना नाम चमकाना अथवा प्रसिद्धि प्राप्त करना नहीं होना चाहिए। वास्तविक दानी वही है जो बिना किसी अपेक्षा के जरूरतमंद की सहायता करे। दान लेने वाले के प्रति सम्मान और विनम्रता का भाव रखना चाहिए। किसी की मजबूरी का प्रदर्शन करना या दान देकर उसका अपमान करना दान की मूल भावना के विपरीत है। सेवा का सच्चा आनंद तभी मिलता है जब देने वाले के मन में अहंकार नहीं, बल्कि करुणा और आत्मीयता हो।

दान के अनेक स्वरूप हैं। ज्ञानदान, अभयदान, वस्त्रदान, औषधदान, आवासदान और आहारदान सभी का अपना महत्व है। इनमें आहारदान को विशेष रूप से महादान माना गया है, क्योंकि भोजन जीवन का आधार है। भूखे व्यक्ति को भोजन कराना केवल उसकी भूख मिटाना नहीं, बल्कि उसे जीवन जीने की शक्ति देना है।

क्या ज्ञानेश कुमार को हटा पायेगा इण्डिया गठबंधन का शक्ति प्रदर्शन



निर्मल रानी

गत 1 नवंबर 2026 को दिल्ली के रामलीला मैदान में इण्डिया गठबंधन द्वारा आयोजित ऐतिहासिक वोट बचाओ, देश बचाओ महारैली में विपक्षी दलों की भारी एकजुटता देखने को मिली। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफ़े और मतदाता सूची में कथित गड़बड़ियों के ख़िलाफ़ बुलाई गई इस रैली में देश के कई प्रमुख दलों के शीर्ष नेतृत्व ने हिस्सा लिया। इस रैली में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी के सबसे प्रमुख नेताओं में लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा शामिल हुए। इसके अलावा वरिष्ठ नेता के.सी. वेणुगोपाल, डी.के. शिवकुमार और अभिषेक मनु सिंघवी भी मंच पर मौजूद रहे। जबकि समाजवादी पार्टी की ओर से उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने इस रैली में अपनी पार्टी का नेतृत्व किया। तृणमूल कांग्रेस की तरफ़ से पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और टीएमसी सुप्रीमो ममता बनर्जी विपक्ष की इस महारैली में विशेष रूप से शामिल हुईं। तथा राष्ट्रीय जनता दल की ओर से बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री और युवा नेता तेजस्वी यादव ने मंच से रैली को संबोधित किया। इसी तरह पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ़्ती राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी शरद पवार गुट से सुप्रिया सुले नेशनल कॉन्फ्रेंस से जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री व पार्टी प्रमुख फ़ारूक़ अब्दुल्ला,आम आदमी पार्टी की ओर से पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान व अन्य कई विपक्षी दलों के अनेक वरिष्ठ नेता इस विशाल रैली को संबोधित करते या सम्मिलत होते दिखाई दिए।

इस रैली में कॉकरोच जनता पार्टी की भी बाहरी तौर पर एक बड़े रैली समर्थक संगठन की सक्रिय भूमिका नज़र आई। कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दिपके ने रैली से ठीक पहले सोशल मीडिया पर आधिकारिक घोषणा करते हुए इस रैली को अपना पूर्ण समर्थन दिया था। सीजेपी का मुख्य एजेंडा भी देश में चुनावी शुचिता और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हटाना रहा है। इस महारैली में ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन आईसा की राष्ट्रीय अध्यक्ष और प्रमुख छात्र नेता नेहा बोरा और उनके संगठन की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण और आक्रामक रही। इस रैली के ज़रिए नेहा बोरा मुख्यधारा की राजनीति के बड़े विपक्षी नेताओं के साथ कंधे से कंधा मिलाकर एक बड़े युवा चेहरे के रूप में उभरी हैं। नेहा बोहरा ने तो अपने संक्षिप्त परन्तु तीखा भाषण देते हुये सीधे तौर पर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को निष्पक्ष होने के बजाय सत्ता पक्ष का इलेक्शन मैनेजर क़रार दिया। उन्होंने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि लोकतंत्र से खिलवाड़ करने वाले अधिकारियों पर न केवल महाभियोग चलना चाहिए, बल्कि उन्हें जेल भी भेजा जाना चाहिए।

परन्तु सवाल यह है कि क्या इंडिया गठबंधन का यह विशाल शक्ति प्रदर्शन सरकार पर इतना दबाव डाल सकेगा कि सरकार ज्ञानेश कुमार को उनके पद से हटा दे ? निश्चित रूप से इण्डिया गठबंधन के पास पूर्व केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का ताज़ातरीन उदाहरण है जिन्हें गत 25 जुलाई 2026 को भारी सार्वजनिक और राजनीतिक दबाव के चलते त्यागपत्र देना पड़ा था। उस समय अभूतपूर्व जन-आक्रोश और देशव्यापी दबाव को देखते हुए ही धर्मेंद्र प्रधान ने नैतिक ज़िम्मेदारी लेते हुए इस्तीफ़ा दे दिया था। यह नरेंद्र मोदी सरकार के इतिहास में जनता के सीधे दबाव में किसी बड़े कैबिनेट मंत्री के इस्तीफ़े का एक विरल उदाहरण माना जाता है।

निःसंदेह धर्मेंद्र प्रधान के त्यागपत्र के बाद गत 1 नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में विपक्षी इण्डिया गठबंधन की वोट बचाओ, देश बचाओ महारैली भी भारतीय राजनीति के लिहाज़ से एक अत्यंत महत्वपूर्ण घटनाक्रम है। इस रैली के ज़रिए विपक्ष ने ईवीएम के साथ-साथ सीधे मतदाता सूचियों में कथित हेरफेर और लगभग 13.2 करोड़ वोटर्स के नाम हटाए जाने के मुद्दे को देश के राजनीतिक केंद्र में ला दिया है। इससे भविष्य के चुनावों विशेषकर 2027 के उत्तर प्रदेश, पंजाब और अन्य राज्यों के विधानसभा चुनावों में चुनावी शुचिता पर बड़ी बहस छिड़ गयी है। इस रैली से ठीक पहले 31 अक्टूबर को विपक्ष ने ज्ञानेश कुमार के विरुद्ध एक प्रतीकात्मक जनता द्वारा महाभियोग प्रस्ताव भी पारित किया। विपक्ष का आरोप है कि चुनाव आयोग एक स्वायत्त संस्था के बजाय सत्ता पक्ष के इशारे पर काम कर रहा है।

तो क्या इतने सुबूतों व इतने दबाव के बाद ज्ञानेश कुमार जल्द हटाए जा सकते हैं? वास्तव में सरकार व ज्ञानेश कुमार पर अभूतपूर्व दबाव होने के बावजूद संवैधानिक प्रावधानों और वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य के आधार पर ज्ञानेश कुमार को उनके पद से हटाना बेहद जटिल नज़र आता है। भारतीय संविधान के अनुसार मुख्य चुनाव आयुक्त को पद से हटाने की प्रक्रिया सुप्रीम कोर्ट के जज के समान ही बेहद कठिन है। इसके लिए संसद के दोनों सदनों में दो-तिहाई विशेष बहुमत से महाभियोग प्रस्ताव पास होना ज़रूरी है। वर्तमान में संसद के समीकरणों को देखते हुए विपक्ष के पास अकेले इस तरह का बहुमत भी नहीं है। हाँ अगर न्यायालय इस प्रक्रिया में कोई गंभीर ख़ामी पाता है, तो ज्ञानेश कुमार के पद पर बने रहने पर नैतिक संकट खड़ा हो सकता है। परन्तु सुप्रीम कोर्ट 17 नवंबर 2026 को मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयोग के कामकाज को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई करने वाला है। इस बीच ढृह्यष्ठढ्ढ गठबंधन ने साफ़ किया है कि इस रैली की गूंज संसद में दिखाई देगी और वे ज्ञानेश कुमार के ख़िलाफ़ औपचारिक महाभियोग का प्रस्ताव लाएंगे।

केंद्र सरकार,भारतीय जनता पार्टी और खुद चुनाव आयोग ने एसआईआर की प्रक्रिया को पूरी तरह से वैध और पारदर्शी बताया है। जबकि विपक्ष का कहना है कि चुनाव आयोग के अंदर ही अन्य दो चुनाव आयुक्तों सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने पिछले 10 महीनों में एसआईआर से जुड़े फ़ैसलों पर 14 बार औपचारिक आपत्तियां दर्ज कराई थीं। परन्तु विपक्ष के इन आरोपों व सत्ता के बचाव की दलीलों के बीच ऐसा प्रतीत होता है कि जब तक या तो सरकार स्वयं बैकफुट पर नहीं आती या फिर सुप्रीम कोर्ट की ओर से कोई सख़्त निर्णय अथवा टिप्पणी नहीं आती तब तक केवल विपक्ष के दबाव में किसी संवैधानिक प्रमुख को हटाना संभव नहीं लगता। क्योंकि ज्ञानेश कुमार के हटने के फ़ौरन बाद ही केंद्र सहित विभिन्न राज्यों के चुनाव नतीजों की वैधता पर भी सवाल उठने वाला है। इन सब के बीच सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या 1 नवंबर का इण्डिया गठबंधन का शक्ति प्रदर्शन ज्ञानेश कुमार को यथा शीघ्र हटा पायेगा?

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

यूपी में भाजपा की पदयात्रा का मेगा प्लान 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' के राजनीतिक निहितार्थ



उत्तरप्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 में भाजपा नीत राजग (NDA) और कांग्रेस नीत इंडी (INDIA) गठबंधन का मजबूत साथी समाजवादी पार्टी के बीच काँटे की टक्कर के आसार हैं! भाजपा भले ही दलितों और ओबीसी को पटाने के चक्कर में सवर्णों की सरजमीनी नाराजगी मोल ले चुकी है, जबकि समाजवादी नेता व उत्तरप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के पिछड़ा दलित अल्पसंख्यक (PDA) वोटरों को अपनी ओर खींचकर और कांग्रेस को साथ लेकर लोकसभा चुनाव 2024 और विधान परिषद चुनाव 2026 में भाजपा को अपनी मजबूत राजनीतिक ताकत का एहसास करवा चुके हैं।

ऐसे में यूपी के सवर्ण वोटर यदि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ नाथ के सुशासन और विकास को ध्यान में रखते हुए भाजपा से जुड़े रहते हैं तो भाजपा मुकाबले में रहेगी, अन्यथा दलित और ओबीसी कानूनों को मजबूत करने और पूंजीवादी राज को प्रश्रय देने की कीमत उसे अपनी राज्य और केंद्र की सत्ता (2029) गंवा कर चुकानी पड़ेगी, जबकि भाजपा किसी भी कीमत पर यूपी की सत्ता गंवाना नहीं चाहती है। यही वजह है कि 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा ने विपक्ष के राजनीतिक नैरेटिव को चुनौती देने के लिए नई रणनीति बनाई है?

भाजपा की यह पदयात्रा महज जनसंपर्क अभियान नहीं है बल्कि इसके पीछे उसकी संगठनात्मक शक्ति प्रदर्शन, विपक्ष की घेराबंदी और चुनावी मुद्दों की दिशा तय करने की व्यापक कोशिश भी है। यदि भाजपा अपने दिग्गज नेताओं के मतभेद को काबू में करने में सफल हो जाती है तो लखनऊ में उसकी तीसरी सरकार बनने का मार्ग प्रशस्त हो जाएगा, क्योंकि वह कैडर बेस पार्टी है।

उत्तर प्रदेश में भाजपा की 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' पदयात्रा के मेगा प्लान में बड़े बड़े नेताओं को लगाना इन्हीं राजनीतिक संदर्भों में समझना चाहिए। यह अभियान ऐसे समय हो रहा है, जब प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारियां धीरे-धीरे तेज हो रही हैं और भाजपा तथा विपक्ष के बीच चुनावी प्रक्रिया, संवैधानिक संस्थाओं और राजनीतिक विरोध के तौर-तरीकों को लेकर गंभीर बहस चल रही है।

सबसे पहले जानिए कि आखिर पदयात्रा का कार्यक्रम क्या है? प्राप्त जानकारी के मुताबिक, भाजपा ने 3 से 5 नवंबर 2026 तक उत्तर प्रदेश के सभी छह संगठनात्मक क्षेत्रों में पदयात्राएं आयोजित करने की योजना बनाई है। इसका घोषित उद्देश्य लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं के प्रति जागरूकता बढ़ाना और विपक्ष के आरोपों का जवाब देना है। इस सिलसिले में निर्धारित प्रमुख कार्यक्रम इस प्रकार हैं: तारीख, स्थान और प्रमुख नेतृत्व: 3 नवंबर को लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, और केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने पदयात्रा की और वोटरों के मूड को बदलने का सकारात्मक प्रयास किया। वहीं, 3 नवंबर को ही बरेली में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, और केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी ने पदयात्रा की और वोटरों के मूड को समझने की सफल कोशिश की। वहीं, 4 नवंबर को गोरखपुर में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पदयात्रा करेंगे। वहीं, 4 नवंबर को ही प्रयागराज में उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य पदयात्रा करेंगे। वहीं, 4 नवंबर को ही कानपुर में उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक पदयात्रा करेंगे। वहीं, 5 नवंबर को गाजियाबाद में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पदयात्रा होगी।

तीन नवंबर को लखनऊ में लोकभवन से परिवर्तन चौक तक पदयात्रा का आयोजन किया गया है। पार्टी ने इसमें बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं और विभिन्न सामाजिक वर्गों की भागीदारी का लक्ष्य रखा और उसे पूरा किया।

दूसरा महत्वपूर्ण सवाल यह है कि आखिर विपक्ष के नैरेटिव का जवाब देने की भाजपा की रणनीति कितनी जबर्दस्त है? इस पदयात्रा का पहला राजनीतिक निहितार्थ विपक्ष की ओर से उठाए जा रहे सवालों का जवाब देना है, क्योंकि विपक्ष चुनावी प्रक्रिया, मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) और संवैधानिक संस्थाओं की निष्पक्षता को लेकर सवाल उठा रहा है। जबकि भाजपा का कहना है कि चुनावी प्रक्रिया पर सवाल उठाकर जनता के बीच भ्रम पैदा किया जा रहा है। इसलिए भाजपा ने 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' जैसा दूरगामी असर वाला राजनीतिक संदेश चुना है। इसका अर्थ है कि पार्टी बहस को विपक्ष के आरोपों से हटाकर विपक्ष के विरोध प्रदर्शन, राजनीतिक आचरण और लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति उसके रवैये पर केंद्रित करना चाहती है। हालांकि, विपक्ष के आरोपों का जवाब केवल राजनीतिक सभाओं से नहीं, बल्कि पारदर्शी तथ्यों और संस्थागत जवाबदेही से भी देना आवश्यक होगा।

तीसरा महत्वपूर्ण सवाल है कि आखिर एसआईआर और मतदाता सूची की बहस का राजनीतिक महत्व क्या है? इस अभियान के पीछे मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) भी एक महत्वपूर्ण संदर्भ है। इस मुद्दे पर दो अलग-अलग राजनीतिक दृष्टिकोण सामने हैं: एक, भाजपा का पक्ष: मतदाता सूची को शुद्ध और अद्यतन रखना स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव के लिए आवश्यक है। पार्टी इस प्रक्रिया के प्रति जनजागरूकता बढ़ाना चाहती है। दो, विपक्ष का पक्ष: मतदाता सूची के पुनरीक्षण की प्रक्रिया में पात्र मतदाताओं के नाम छूटने, पारदर्शिता और प्रशासनिक निष्पक्षता को लेकर आशंकाएं उठाई जा रही हैं। यहां महत्वपूर्ण सवाल है कि क्या मतदाता सूची का पुनरीक्षण पूरी पारदर्शिता, उचित सूचना और आपत्ति दर्ज कराने के प्रभावी अवसर के साथ हो रहा है? लोकतंत्र में मतदाता सूची की शुद्धता जितनी जरूरी है, उतना ही जरूरी प्रत्येक पात्र नागरिक का मतदान का अधिकार सुरक्षित रखना भी है। इसलिए पदयात्रा के राजनीतिक संदेश के साथ-साथ एसआईआर पर तथ्यात्मक संवाद भी इस अभियान की कसौटी रहेगा।

चौथा महत्वपूर्ण सवाल यह है कि योगी आदित्यनाथ की राजनीतिक भूमिका और नेतृत्व का प्रदर्शन कैसा रहेगा? इस पदयात्रा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सक्रिय भागीदारी के कई राजनीतिक पहलू हैं। एक, सरकार और संगठन के बीच तालमेल का प्रदर्शन: मुख्यमंत्री के साथ केंद्रीय मंत्रियों, भाजपा के राष्ट्रीय नेतृत्व और प्रदेश संगठन के प्रमुख नेताओं की भागीदारी से अभियान को राष्ट्रीय और प्रादेशिक दोनों स्तरों पर महत्व मिलता है। दो, नेतृत्व की सार्वजनिक सक्रियता: पदयात्रा के माध्यम से मुख्यमंत्री और वरिष्ठ नेता सीधे कार्यकर्ताओं तथा नागरिकों के बीच उपस्थित होते हैं। इससे चुनाव से पहले संगठनात्मक संपर्क को सक्रिय रखने का अवसर मिलता है। तीन, 2027 के चुनाव की पृष्ठभूमि। योगी आदित्यनाथ की विभिन्न क्षेत्रों में भागीदारी को आगामी विधानसभा चुनाव से पहले नेतृत्व की राजनीतिक सक्रियता के संदर्भ में देखा जा सकता है। यह भी ध्यान देने योग्य है कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन और केंद्रीय मंत्रियों की भागीदारी इस कार्यक्रम को केवल स्थानीय संगठनात्मक गतिविधि तक सीमित नहीं रहने देती।

पांचवां सवाल यह है कि यूपी के छह संगठनात्मक क्षेत्रों में पदयात्रा का क्या संदेश है? इस अभियान का एक महत्वपूर्ण पहलू इसका भौगोलिक विस्तार है। भाजपा ने केवल लखनऊ में एक बड़ी रैली आयोजित करने के बजाय छह संगठनात्मक क्षेत्रों में अलग-अलग पदयात्राओं की योजना बनाई है। इसके तीन संभावित संगठनात्मक उद्देश्य हैं: एक, कार्यकर्ताओं को सक्रिय करना: स्थानीय इकाइयों, जनप्रतिनिधियों और पार्टी पदाधिकारियों को चुनावी तैयारी के लिए सक्रिय रखना। दो, स्थानीय संपर्क बढ़ाना: व्यापारियों, शिक्षकों, अधिवक्ताओं, चिकित्सकों, सामाजिक संगठनों और आम नागरिकों तक पहुंच बनाना। तीन, एक समान राजनीतिक संदेश: प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में एक ही नारे और राजनीतिक मुद्दे को सामने रखना। भाजपा की तैयारियों में सामाजिक और व्यावसायिक वर्गों की भागीदारी बढ़ाने पर भी जोर दिया गया है। छठा प्रासंगिक सवाल यह है कि विपक्ष के सामने क्या राजनीतिक चुनौतियां हैं? इस अभियान से विपक्ष के सामने भी कुछ महत्वपूर्ण राजनीतिक सवाल खड़े होते हैं। एक, क्या विपक्ष मतदाता सूची और चुनावी प्रक्रिया पर अपने आरोपों को ठोस प्रमाणों के साथ जनता के सामने रख पाएगा? दो, क्या समाजवादी पार्टी, कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल इन मुद्दों पर एक साझा राजनीतिक दृष्टिकोण विकसित कर पाएंगे? तीन, क्या विपक्ष केवल विरोध की राजनीति तक सीमित रहेगा या रोजगार, महंगाई, किसानों, शिक्षा, स्वास्थ्य और कानून-व्यवस्था जैसे मुद्दों को भी समान महत्व देगा? चार, क्या विपक्ष भाजपा के इस अभियान के जवाब में जनता के बीच अपनी बात रखने के लिए प्रभावी जनसंपर्क कर पाएगा? यहां एक महत्वपूर्ण लोकतांत्रिक तथ्य भी समझना चाहिए। सरकार की नीतियों की आलोचना करना और चुनावी संस्थाओं से सवाल पूछना अपने आप में अराजकता नहीं है। उसी तरह शांतिपूर्ण राजनीतिक विरोध लोकतंत्र का वैध हिस्सा है। किसी भी पक्ष के आरोपों और दावों का मूल्यांकन प्रमाणों के आधार पर होना चाहिए।

सातवां सवाल है कि आखिर भाजपा के लिए असली परीक्षा क्या होगी? पदयात्रा में कितनी भीड़ जुटती है, कितने बड़े नेता शामिल होते हैं और कितने स्थानों पर कार्यक्रम होते हैं, ये सभी संगठनात्मक गतिविधि के मापदंड हो सकते हैं। लेकिन इनसे अपने आप जनता के राजनीतिक समर्थन या चुनावी परिणाम का निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता। भाजपा के लिए वास्तविक सवाल होंगे: एक, क्या अभियान के माध्यम से आम नागरिकों की समस्याओं पर संवाद होगा? दो, क्या रोजगार और युवाओं के अवसरों पर ठोस चर्चा होगी? तीन, क्या किसानों और ग्रामीण अर्थव्यवस्था से जुड़े सवालों को पर्याप्त जगह मिलेगी? चार, क्या कानून-व्यवस्था और विकास संबंधी दावों को जमीनी अनुभवों से परखा जाएगा? पांचवां, क्या स्ट्रक्चर से जुड़ी आशंकाओं का तथ्यात्मक समाधान प्रस्तुत किया जाएगा? इसी तरह विपक्ष के लिए भी जरूरी होगा कि वह केवल राजनीतिक आरोपों के बजाय प्रमाण, वैकल्पिक नीतियां और जनता से जुड़े मुद्दे प्रस्तुत करे।

आठवां सवाल है कि 2027 के विधानसभा चुनाव पर इसका संभावित राजनीतिक प्रभाव क्या पड़ेगा? इस अभियान को 2027 के विधानसभा चुनाव की शुरुआती राजनीतिक तैयारियों के एक हिस्से के रूप में देखा जा सकता है। इसके संभावित प्रभावों को चार बिंदुओं में समझा जा सकता है। एक, संगठनात्मक सक्रियता: कार्यकर्ताओं और स्थानीय नेतृत्व को सक्रिय रखने का अवसर। दो, राजनीतिक विमर्श: चुनावी प्रक्रिया और लोकतांत्रिक संस्थाओं पर बहस को प्रमुखता देना। तीन, विपक्ष की रणनीति: भाजपा के आरोपों का तथ्यात्मक जवाब देने की चुनौती। चार, चुनावी मुद्दे: शासन, विकास, रोजगार और कानून-व्यवस्था के मुद्दों पर नई बहस। लेकिन यह अभियान भाजपा को कितना राजनीतिक लाभ देगा, इसका आकलन अभी करना जल्दबाजी होगी। इसके लिए जनता की प्रतिक्रिया, स्थानीय मुद्दों और आगामी राजनीतिक घटनाक्रम को देखना होगा।

नौवां सवाल यह है कि इस अभियान के व्यापक लोकतांत्रिक निहितार्थ क्या-क्या हैं? इस पदयात्रा का सबसे महत्वपूर्ण पहलू इसके नाम और संदेश से जुड़ा है। 'लोकतंत्र बचाओ' और 'अराजकता हटाओ' दोनों ही ऐसे नारे हैं जिनके राजनीतिक और संवैधानिक अर्थ हैं। लेकिन लोकतंत्र की रक्षा किसी एक राजनीतिक दल की जिम्मेदारी नहीं है। इसके लिए कुछ बुनियादी शर्तें आवश्यक हैं- एक, चुनाव आयोग और संवैधानिक संस्थाओं की निष्पक्षता। दो, मतदाता के मतदान अधिकार की सुरक्षा। तीन, सरकार की जवाबदेही और पारदर्शिता। चार, विपक्ष को शांतिपूर्ण विरोध और आलोचना की स्वतंत्रता। पांच, राजनीतिक दलों द्वारा संवैधानिक मर्यादाओं का पालन। यदि इस अभियान के दौरान इन विषयों पर सार्थक चर्चा होती है, तो इसका महत्व केवल चुनावी राजनीति तक सीमित नहीं रहेगा।

अंतिम सवाल यह है कि क्या भाजपा 2027 की चुनावी राजनीति का एजेंडा तय करने की कोशिश में है? तो जवाब होगा कि उत्तर प्रदेश की यह मेगा पदयात्रा भाजपा की तीन समानांतर कोशिशों को सामने लाती है- संगठन को सक्रिय रखना, विपक्ष के राजनीतिक आरोपों का जवाब देना और 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले अपने राजनीतिक विमर्श को स्थापित करना। इसके जवाब में विपक्ष के सामने भी अपनी बात तथ्यों और जनहित के मुद्दों के आधार पर रखने की चुनौती है।

हालांकि, लोकतंत्र की असली कसौटी यह नहीं है कि किस दल ने कितनी बड़ी पदयात्रा निकाली या किसने कितना बड़ा नारा दिया? असली कसौटी यह है कि नागरिकों के अधिकार कितने सुरक्षित हैं, संस्थाएं कितनी निष्पक्ष हैं, सरकार कितनी जवाबदेह है और राजनीतिक दल जनता के वास्तविक सवालों को कितना महत्व देते हैं? यही इस पूरे अभियान का सबसे बड़ा राजनीतिक और लोकतांत्रिक निहितार्थ है।

विद्यालय में विधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित, बच्चों एवं आमजन को बताए कानूनी अधिकार



अमरोहा (सब का सपना):- जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अमरोहा के तत्वावधान में प्राधिकरण के सचिव अभिषेक कुमार व्यास (CJSD) के निदेर्शानुसार चन्द्रवती देवी भारतीय किसान यूनियन शिक्षा मंदिर इंटर कॉलेज, चकमदीपुर, ब्लॉक जोया, जनपद अमरोहा में विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अधिकार मित्र महेश सिंह एवं राजेन्द्र सिंह ने उपस्थित छात्र व छात्राओं को पॉक्सो अधिनियम, घरेलू हिंसा, उत्पीड़न एवं अन्य कानूनी प्रावधानों के विषय में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि किसी भी प्रकार की हिंसा, उत्पीड़न अथवा शोषण की स्थिति में पीड़ित व्यक्ति कानून के माध्यम से संरक्षण एवं निःशुल्क विधिक सहायता प्राप्त कर सकता है। अधिकार मित्रों ने बच्चों को लैंगिक अपराधों से संरक्षण प्रदान करने वाले पॉक्सो अधिनियम के महत्वपूर्ण प्रावधानों की जानकारी देते हुए अभिभावकों से बच्चों की सुरक्षा के प्रति सजग रहने की अपील की।

इस अवसर पर छात्र व छात्राओं,ग्रामीणों को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा उपलब्ध कराई जाने वाली निःशुल्क विधिक सहायता एवं अन्य सेवाओं के बारे में भी जागरूक किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बच्चों एवं आमजन को उनके कानूनी अधिकारों और विधिक संरक्षण के प्रति जागरूक करना रहा।

अमरोहा के छात्रों ने प्रदेशीय एथलेटिक प्रतियोगिता में जीते पदक





अमरोहा (सब का सपना):- 70वीं माध्यमिक विद्यालयी प्रदेशीय एथलेटिक क्रीड़ा प्रतियोगिता प्रयागराज में ए.एस.एम. बाल विद्या मंदिर इंटर कॉलेज खाता, अमरोहा के छात्रों ने शानदार प्रदर्शन कर जनपद का नाम रोशन किया। विद्यालय के छात्र पुष्पेन्द्र सिंह ने 100 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक तथा 200 मीटर दौड़ में कांस्य पदक हासिल किया। वहीं विद्यालय के ही छात्र वैभव चौधरी ने हैमर थ्रो में रजत पदक प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। दोनों खिलाड़ियों की इस उपलब्धि से पूरे विद्यालय परिवार में खुशी की लहर दौड़ गई। प्रदेश स्तर पर मेडल जीतकर लौटे इन होनहार खिलाड़ियों का विद्यालय में भव्य स्वागत किया गया। विद्यालय प्रबंधक वीरेन्द्र कुमार गुप्ता, प्रधानाचार्य जोगेन्द्र शर्मा और विद्यालय कोच जितेंद्र शर्मा ने खिलाड़ियों का फूल-मालाओं से स्वागत किया तथा उन्हें सम्मानित किया। विद्यालय परिवार ने मंच के माध्यम से दोनों खिलाड़ियों को पुरस्कार प्रदान कर उनकी मेहनत और सफलता की सराहना की। प्रबंधक और प्रधानाचार्य ने कहा कि पुष्पेन्द्र सिंह और वैभव चौधरी की यह सफलता न केवल विद्यालय बल्कि पूरे जनपद के लिए गौरव की बात है। उन्होंने छात्रों को आगे भी इसी लगन से मेहनत करते रहने की प्रेरणा दी। विद्यालय प्रशासन ने खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की और कहा कि खेलकूद के क्षेत्र में ऐसे ही और प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए हर संभव सहयोग दिया जाएगा।

यातायात माह में अमरोहा पुलिस का सघन अभियान, 429 ई-चालान, 8 लाख का जुमार्ना







अमरोहा (सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक अमरोहा के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक, समस्त क्षेत्राधिकारी, प्रभारी निरीक्षक यातायात व समस्त थानाध्यक्षों ने बढ़ती दुर्घटनाओं की रोकथाम हेतु शहर व ग्रामीण क्षेत्र में यातायात माह के दृष्टिगत सघन अभियान चलाया। अभियान के दौरान बिना हेलमेट 77, फिटनेस उल्लंघन 01, बिना इंश्योरेंस 10, नो पार्किंग 33, बिना नंबर प्लेट 08, बिना डीएल 13, तीन सवारी 04, सीट बेल्ट 05 व ओवरस्पीडिंग के 278 सहित कुल 429 ई-चालान किए गए।

जुमार्ने की कुल राशि 8,00,000 रुपये है। पुलिस ने वाहन चालकों को यातायात नियमों का पालन करने हेतु जागरूक किया। साथ ही स्कूल-कॉलेजों में जाकर बच्चों, स्कूल बस ड्राइवरों व अध्यापकों को यातायात नियमों से अवगत कराया गया और नियमों का पालन करने की शपथ दिलाई गई।

न्याय पंचायत स्तरीय क्रीड़ा प्रतियोगिता का भव्य आयोजन



अमरोहा (सब का सपना):- न्याय पंचायत स्तरीय क्रीड़ा प्रतियोगिता (कक्षा 1 से 8) का आयोजन न्याय पंचायत ककराली (कपासी), विकास क्षेत्र जोया में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इसमें न्याय पंचायत के अंतर्गत आने वाले सभी प्राथमिक, उच्च प्राथमिक और कम्पोजिट विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ ग्राम प्रधान कपासी मंजीत सिंह ने दीप प्रज्वलित कर किया तथा हरी झंडी दिखाकर खेल प्रतियोगिताओं की शुरूआत की। सभी उपस्थित शिक्षकों और अतिथियों का स्वागत किया गया। खेलों के सुचारू संचालन में न्याय पंचायत के शिक्षक मुरसल हुसैन, सुरेन्द्र सिंह, सर्वेश चंद, कामेंद्र सिंह, जिशान, साने अली, धर्मेंद्र सिंह तथा व्यायाम शिक्षक पुरुजीत सिंह, लक्ष्य त्यागी, सुशील नागर और एआरपी भूपेन्द्र कुमार, मृणालिनी व जयदीप मौजूद रहे। छात्र-छात्राओं ने पूर्ण उत्साह के साथ विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लिया। लंच ब्रेक में सभी प्रतिभागियों को भोजन कराया गया। समापन समारोह में विजेताओं को मेडल और शील्ड देकर सम्मानित किया गया। मुख्य परिणामों में 50 मीटर दौड़ (प्राथमिक) में बालक वर्ग में जैद (फतेहपुर) प्रथम तथा बालिका वर्ग में अंशिका (फतेहपुर) प्रथम रहीं। 100 मीटर दौड़ (उच्च प्राथमिक) में अंश (खैय्या माफी) और ज्योति (कपासी) ने स्वर्ण पदक जीते। लंबी कूद में भी कपासी, नरथों और फतेहपुर के खिलाड़ियों ने अच्छा प्रदर्शन किया। पूरा कार्यक्रम हर्षोल्लास के वातावरण में संपन्न हुआ।

जल धारा से रौशन हुए ग्रामीणों के आंगन, दिवाली से पहले घर-घर पहुंचा जल धन





अमरोहा (सब का सपना):- दिवाली के मौके पर जल धारा से ग्रामीणों के आंगन रोशन हो उठे है। जल जीवन मिशन योजना के अंतर्गत विकासखंड धनौरा के गांव केसरा के 536 ग्रामीण परिवारों को पानी के कनेक्शन का उपहार मिला है। जल निगम ग्रामीण के द्वारा विकास खंड धनौरा के गांव केसरा में जल अर्पण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसके माध्यम से करीब 3,050 ग्रामीण लोग शुद्ध पेयजल का लाभ ले सकेंगे। अब पानी का कनेक्शन पहुंच जाने से ग्रामीण परिवेश के लोगों को पानी की होने वाली किल्लत के साथ ही दूरदराज नहीं जाना पड़ेगा। इससे ग्रामीणों के समय की बचत हुई है और लोग घरों पर ही शुद्ध पेयजल का प्रयोग कर सकेंगे। इसमें किसी भी जनपद के गांव को पूरी तरह जलाच्छादित करने के बाद जलापर्ण कार्य किया जाता है, जिसमें निगम के अधिकारी जिलाधिकारी व जल निगम के संबंधित अधिकारी उपस्थित होते हैं, जल संतृप्त गांवों को जल निगम द्वारा रिपोर्टेड सर्टिफिकेट दिया जाता है। अधिशासी अभियंता मुजीब अहमद ने बताया कि आज विकास खंड धनौरा के गांव केसरा में जल अर्पण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों को जल संरक्षण, पानी की बबार्दी रोकने और पाइपलाइन व नलों की देखभाल के प्रति जागरूक किया गया। साथ ही जलापूर्ति या गुणवत्ता संबंधी समस्या होने पर शिकायत दर्ज कराने की सभी जानकारी दी गई 536 नल से जल कनेक्शन का लाभ 3,050 ग्रामीणों को सीधा मिलेगा।

पेंशनरों के लिए ऑनलाइन जीवन प्रमाण-पत्र जमा करने की सुविधा



अमरोहा (सब का सपना):- कोषागार विभाग ने अमरोहा जिले के समस्त पेंशनरों एवं पारिवारिक पेंशनरों को महत्वपूर्ण सूचना जारी की है। जिन पेंशनरों का जीवित प्रमाण-पत्र (लाइफ सर्टिफिकेट) की अवधि समाप्त होने वाली है, वे अब घर बैठे ही स्मार्टफोन के माध्यम से डिजिटल जीवन प्रमाण-पत्र ऑनलाइन जमा कर सकते हैं।

इसके लिए पेंशनरों को प्ले स्टोर से क्रमशः AADHAAR FACE RD अस्त्रस्त्र और JEEVANPRAMAAN अस्त्रस्त्र डाउनलोड कर इंस्टॉल करना होगा। दोनों ऐप्स खोलकर निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार आवश्यक विवरण भरकर अपना जीवन प्रमाण-पत्र आसानी से ऑनलाइन जमा किया जा सकता है। पेंशनर स्वयं या उनके परिवार के सदस्य इस प्रक्रिया को घर बैठे पूरा कर सकते हैं।

विभाग ने इस सुविधा का फ्लो चार्ट भी जारी किया है, जिसमें स्टेप-बाय-स्टेप प्रक्रिया बताई गई है। इससे पेंशनरों को कोषागार जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी और वे समय पर डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट जमा करके पेंशन संबंधी सुविधा का लाभ ले सकेंगे।

कोषागार अधिकारियों ने सभी संबंधित विभागों और जनप्रतिनिधियों से अनुरोध किया है कि इस सुविधा का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए। ताकि अधिक से अधिक पेंशनर इस सुविधा का लाभ उठा सकें।पेंशनरों से अपील की गई है कि वे जल्द से जल्द अपने जीवन प्रमाण-पत्र को ऑनलाइन अपडेट करें, ताकि उनकी पेंशन बिना किसी बाधा के जारी रह सके।

चौपाल लगाकर महिला पुलिसकर्मियों ने बालिकाओं को बताए सुरक्षा के उपाय





सम्भल(सब का सपना):- जनपद में उत्तर प्रदेश शासन द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान, स्वावलंबन और सशक्तिकरण के उद्देश्य से चलाए जा रहे मिशन शक्ति अभियान फेज-6.0 के तहत बुधवार को महिला पुलिसकर्मियों द्वारा जागरूकता अभियान चलाया गया। पुलिस अधीक्षक विकास चन्द्र त्रिपाठी के निर्देशन में जनपद के विभिन्न मिशन शक्ति केंद्रों पर तैनात महिला पुलिसकर्मियों ने थाना क्षेत्रों में चौपाल आयोजित कर महिलाओं एवं बालिकाओं को उनके अधिकारों और सुरक्षा संबंधी उपायों की जानकारी दी। चौपाल के माध्यम से महिला पुलिसकर्मियों ने महिलाओं एवं बालिकाओं से संवाद स्थापित किया तथा उनकी समस्याओं को सुना। साथ ही महिला संबंधी शिकायतों के निस्तारण की प्रक्रिया के बारे में जानकारी देते हुए उन्हें किसी भी प्रकार की परेशानी होने पर बिना संकोच पुलिस से संपर्क करने के लिए प्रेरित किया। पुलिसकर्मियों ने कहा कि महिलाओं को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए पुलिस लगातार प्रयास कर रही है।

वहीं मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत जनपद की एंटी रोमियो टीम द्वारा प्रमुख बाजारों, कस्बों, चौराहों, स्कूल-कॉलेजों, धार्मिक स्थलों एवं अन्य सार्वजनिक स्थानों पर जागरूकता अभियान चलाया गया। इस दौरान महिला पुलिसकर्मियों ने पंपलेट वितरित कर शासन एवं पुलिस विभाग द्वारा महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान, स्वावलंबन और सशक्तिकरण के लिए संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। अभियान के दौरान महिलाओं एवं बालिकाओं को वीमेन पावर लाइन 1090, पुलिस आपातकालीन सेवा 112, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, स्वास्थ्य सेवा हेल्पलाइन 102, एंबुलेंस सेवा 108, महिला हेल्पलाइन 181 और साइबर क्राइम हेल्पलाइन 1930 के बारे में विस्तार से बताया गया। इसके साथ ही मोबाइल में इमरजेंसी कॉल और पैनिक बटन के इस्तेमाल का डेमो देकर आपात स्थिति में तत्काल सहायता प्राप्त करने के तरीके भी समझाए गए।

पुलिस का उद्देश्य मिशन शक्ति अभियान के माध्यम से महिलाओं एवं बालिकाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना, उनमें सुरक्षा का विश्वास पैदा करना तथा किसी भी प्रकार की समस्या होने पर उन्हें तत्काल सहायता उपलब्ध कराना है।

कार्यालय खण्ड विकास अधिकारी गंगेश्वरी जनपद- अमरोहा

पत्रांक 2498 / लेखा / बा०मै०शौ० / विज्ञप्ति / 2026-27 **दिनांक 4.11.2026**

--::अल्पकालीन निविदा::--

निदेशक, बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार, उ०प्र० लखनऊ के पत्र सं० सी०-4310 / बा०वि०पर० / निर्माण एवं संरचना / 2025-26 दिनांक 22.01.2026 के द्वारा आगनवाड़ी केन्द्रो पर बाल मैत्रिक शौचालय निर्माण कराने हेतु निर्देशित किया गया है जिसके क्रम में मुख्य विकास अधिकारी महोदय, अमरोहा के कार्यालय पत्रांक 499 / जि०का०अ० / सक्षम / 2025-26 दिनांक 24.07.2026 के द्वारा 42 (बयालीस) बाल मैत्रिक शौचालय के निर्माण हेतु धनराशि उपलब्ध कराये जाने के उपरान्त विकास खण्ड गंगेश्वरी के 07 न्याय पंचायतों में 42 (बयालीस) राजस्व ग्रामों में आंगनबाड़ी केन्द्रो पर बाल मैत्रिक शौचालय के चयनित कार्यों को कराये जाने हेतु निविदा दिनांक 4-11-2026 को आमन्त्रित कि जाती है उक्त निविदा दिनांक 4.11.2026 से 18.11.2026 अपरान्ह 01-00 बजे तक बेची जायेगी दिनांक 18.11.2026 अपरान्ह 01 बजे तक कार्यालय में निविदादाता अपनी निविदा कार्यालय में जमा कर सकते है। दिनांक 18-11-2026 अपरान्ह 4:00 बजे अधोहस्ताक्षरी अथवा अधोहस्ताक्षरी के द्वारा नामित प्रतिनिधि के द्वारा खोली जायेगी। यदि उक्त दिवस में कोई अवकाश होता है तो अगले कार्य दिवस में कार्य किया जायेगा। कार्य से सम्बन्धित बिल ऑफ क्वान्टिटी किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय से प्राप्त की जा सकती हैं। अपरिहार्य कारणोंवश बिना किसी सूचना के निविदाओं को स्वीकृत एवं अस्वीकृत करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी का होगा।

कार्य का विवरण निम्न प्रकार है:-

(धनराशि रू० में)

क्र० सं०	कार्य का नाम	न्याय पंचायत का नाम	राजस्व ग्रामों में शौचालय की सं०	प्राकलन धनराशि	धरोहर धनराशि 10 प्रतिशत	निविदा प्रपत्र का मूल्य	कार्य की अवधि
01	आगनवाड़ी केन्द्रो पर बाल मैत्रिक शौचालय का निर्माण कार्य	गंगेश्वरी	05	720000.00	72000.00	826.00	90 दिन
		बुरावली	06				
		बस्तौरा	07				
		रुखालू	02				
		योग	**20**	**720000.00**			
02	आगनवाड़ी केन्द्रो पर बाल मैत्रिक शौचालय का निर्माण कार्य	दढ़ियाल	13	792000.00	79200.00	826.00	90 दिन
		ढबारसी	04				
		खरपड़ी	05				
		योग	**22**	**792000.00**			
महायोग			**42**	**1512000.00**	**151200.00**		

1- निविदा प्रपत्र दिनांक 4-11-26 से 18-11-26 तक किसी भी कार्य दिवस में निविदा शुल्क रू० 826.00 का बैंक ड्राफ्ट/ऑर्डर चेक जमाकर के प्राप्त की जा सकती है।

2- निविदा आपूर्तिकर्ताओं को निविदा स्वीकृत होने की दशा में पृथक से 10 प्रतिशत धरोहर राशि एफ०डी०आर० के रूप से अनिवार्य जमा करनी होगी।

3- निविदा आपूर्तिकर्ताओं को आयकर, जी०एस०टी० एवं लेबरसेस नियमानुसार वहन करना होगा।

4- निविदा आपूर्तिकर्ताओं का आयकर, व्यापार कर, श्रम विभाग में पंजीकरण अनिवार्य है।

5- अनुबन्ध हेतु रू० 100.00 एवं शपथ-पत्र हेतु रू० 10.00 का नॉन जूडिशियल स्टाम्प पेपर भी उपलब्ध कराना होगा, जो नाटरी द्वारा सत्यापित कराना होगा।

6- निविदा फार्म के साथ राजस्व ग्रामों की सूची उपलब्ध करा दी जायेगी जिसमें बाल मैत्रिक शौचालय का निर्माण कार्य किया जाना है।

खण्ड विकास अधिकारी
गंगेश्वरी

खण्ड विकास अधिकारी
गंगेश्वरी (अमरोहा)

राजकीय पॉलीटेक्निक चन्दौसी में अधिकारियों और कर्मचारियों को दिया गया आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का प्रशिक्षण





चन्दौसी/संभल (सब का सपना):- जनपद में शासन-प्रशासन की कार्यप्रणाली को आधुनिक तकनीकों से जोड़ने और डिजिटल गवर्नेंस को अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से बुधवार को राजकीय पॉलीटेक्निक कॉलेज चन्दौसी में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इन गवर्नेंस विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। भारत सरकार के कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम का संचालन डॉ. राम मनोहर लोहिया उत्तर प्रदेश प्रशासन एवं प्रबंधन अकादमी लखनऊ के तत्वावधान में किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत सुबह दस बजे हुई। प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य जनपद के अधिकारियों और कर्मचारियों को शासन-प्रशासन में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग और उसकी उपयोगिता से अवगत कराना था। इसके साथ ही सरकारी सेवाओं में पारदर्शिता बढ़ाने कार्यों को सरल और तेज बनाने तथा आम जनता को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने में आधुनिक तकनीक की भूमिका के बारे में जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के माध्यम से अधिकारियों और कर्मचारियों को बदलते तकनीकी परिवेश के अनुरूप कार्य करने के लिए जागरूक किया गया।

कार्यक्रम में जनपद के विभिन्न विभागों के लगभग 70 अधिकारियों कर्मचारियों और फ्रंटलाइन वर्कर्स ने प्रतिभाग किया। लखनऊ से आए विशेषज्ञ परिश्रुत और एल्विन ने प्रशिक्षण के दौरान आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के व्यावहारिक प्रयोग ई-गवर्नेंस डेटा सुरक्षा और नवीन तकनीकों के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। विशेषज्ञों ने बताया कि एआई का उचित उपयोग सरकारी विभागों में कार्यों के बेहतर प्रबंधन सूचनाओं के विश्लेषण और जनसेवाओं को अधिक प्रभावी बनाने में सहायक हो सकता है।

प्रशिक्षण कार्यक्रम को दो सत्रों में आयोजित किया गया। प्रथम सत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से संबंधित सैद्धांतिक जानकारी दी गई। इसमें एआई की कार्यप्रणाली शासन-प्रशासन में इसकी उपयोगिता और सरकारी कार्यों में इसके संभावित प्रयोगों पर चर्चा की गई। दूसरे सत्र में प्रायोगिक प्रशिक्षण के माध्यम से प्रतिभागियों को एआई के विभिन्न उपयोगों से परिचित कराया गया। साथ ही डेटा सुरक्षा और तकनीक के जिम्मेदार उपयोग के महत्व को भी समझाया गया।

जिलाधिकारी अंकित खंडेलवाल के निदेर्शानुसार आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट की उपस्थिति रही। कार्यक्रम के माध्यम से अधिकारियों और कर्मचारियों को तकनीकी रूप से सक्षम बनाने तथा सरकारी कामकाज में आधुनिक डिजिटल साधनों के इस्तेमाल को प्रोत्साहित करने पर जोर दिया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य सरकारी विभागों की कार्यक्षमता बढ़ाने के साथ ही नागरिकों को बेहतर और पारदर्शी सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में अधिकारियों को तैयार करना रहा।

इस अवसर पर ई-डिस्ट्रिक्ट मैनेजर विपिन कुमार, राजकीय पॉलीटेक्निक के प्रधानाचार्य शंकर सिंह, विभागाध्यक्ष वर्षा गंगवार, मेघा शर्मा, दिनेश मोहन आर्य, सुनील कुमार, क्षितिज कुमार गुप्ता, कृष्ण कुमार चौरसिया, चेतन प्रसाद सिंह, श्रुति अग्रवाल, अंजना यादव, मनीष कुमार, प्रशांत यादव और निलय यादव सहित संस्थान का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा। प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

परिवार परामर्श केंद्र में तीन पत्रावलियों का निस्तारण दो परिवारों में कराया सुलह समझौता

सम्भल (सब का सपना):- जनपद के चंदौसी में गौशाला रोड स्थित पिंक चौकी पर पुलिस परिवार परामर्श सुलह समझौता केंद्र की बैठक आयोजित की गई। बैठक पुलिस अधीक्षक विकास चंद्र त्रिपाठी के आदेश पर अपर पुलिस अधीक्षक दक्षिणी मनोज रावत और क्षेत्राधिकारी स्तुति सिंह के निर्देशन में आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता परामर्श केंद्र प्रभारी एवं महिला थानाध्यक्ष डॉ. रुकम पाल सिंह ने की। बैठक में पति पत्नी के बीच चल रहे आपसी विवादों को



काउंसलरों के सहयोग से सुलह समझौते के आधार पर सुलझाने का प्रयास किया गया। इस दौरान कुल 16 पत्रावलियों की सुनवाई की गई जिनमें से तीन पत्रावलियों का निस्तारण किया गया। इनमें दो परिवारों को आपसी सहमति से पुनः मिलाया गया। वहीं एक पत्रावली में आवेदक द्वारा पैरवी पर जोर नहीं दिए जाने के कारण उसे अन्य कारणों से बंद कर दिया गया। परिवार परामर्श केंद्र के माध्यम से पारिवारिक विवादों को आपसी बातचीत और समझाइश के जरिए सुलझाने का प्रयास किया जा रहा है ताकि परिवारों को टूटने से बचाया जा सके। बैठक में काउंसलर श्वेता गुप्ता पूनम अरोरा उपनिरीक्षक महेश गंगवार रेनू राठी और महिला हेड कांस्टेबल रुचि सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

संदिग्ध परिस्थितियों में लगी आग, चार पशुओं की जलकर मौत





हापुड़ (सब का सपना):- जनपद के थाना सिम्भावली क्षेत्र के वैठ गांव में मंगलवार सुबह संदिग्ध परिस्थितियों में लगी आग से चार पशुओं की जलकर मौत हो गई। एक गाय, दो भैंस और एक बकरी की मौत से परिवार में कोहराम मच गया। वैठ गांव निवासी असलम पुत्र मुजम्मिल खेती के साथ पशुपालन करते हैं। सोमवार रात उन्होंने अपने पशुओं को घर के पास बने कमरे में बांध दिया था। इसी कमरे में पशुओं के चारे के लिए भूसा भी रखा हुआ था। मंगलवार सुबह करीब पांच बजे असलम पशुओं को चारा डालने उठे तो कमरे से आग की लपटें निकलती दिखाई दीं। ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक चारों पशु बुरी तरह झुलस चुके थे। कुछ ही देर में उनकी मौत हो गई। पशुओं को जलता देख असलम और परिवार के लोग फूट-फूटकर रोने लगे। सूचना पर पशुपालन विभाग, तहसील प्रशासन और पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी ली। तहसीलदार हिमांशु, गढ़मुक्तेश्वर ने बताया कि किसान को नियमानुसार सरकारी सहायता दिलाने का प्रयास किया जाएगा। जांच रिपोर्ट उच्च अधिकारियों को प्रेषित की जा रही है।

शाश्वत शाखा चंदौसी ने आयोजित किया भव्य गुरु वंदन-छात्र अभिनंदन समारोह

मेधावी छात्र-छात्राओं एवं उत्कृष्ट शिक्षकों को मेडल, प्रशस्ति-पत्र और स्मृति-चिह्न देकर किया सम्मानित





चंदौसी/संभल(सब का सपना):- भारत विकास परिषद की शाश्वत शाखा चंदौसी के तत्वावधान में लक्ष्मी देवी हर प्रसाद सरस्वती स्कूल में भव्य गुरु वंदन-छात्र अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ गुरु-शिष्य परंपरा के प्रति श्रद्धा एवं सम्मान व्यक्त करते हुए किया गया। समारोह में विद्यार्थियों की प्रतिभा का सम्मान करने के साथ ही उत्कृष्ट शिक्षण कार्य करने वाले गुरुजनों को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में शाखा अध्यक्ष सचिन गुप्ता ने भारत विकास परिषद के उद्देश्यों एवं कार्यपद्धति पर प्रकाश डालते हुए कहा कि परिषद संपर्क, सहयोग, संस्कार, सेवा एवं समर्पण के पांच सूत्रों के माध्यम से समाज में सामाजिक और सांस्कृतिक चेतना के संवर्धन के लिए निरंतर कार्य कर रही है। परिषद का मुख्य उद्देश्य समाज को संगठित कर सेवा और संस्कारों के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में योगदान देना है। शाखा सचिव डॉ. दुर्गा टंडन ने कहा कि संस्कारवान विद्यार्थी ही सशक्त राष्ट्र के निमार्ता होते हैं। शिक्षा जब संस्कारों से जुड़ती है, तभी वह व्यक्ति को योग्य नागरिक बनाने के साथ राष्ट्र को मजबूत आधार प्रदान करती है। गुरुजनों का सम्मान और विद्यार्थियों की प्रतिभा का अभिनंदन हमारी सांस्कृतिक विरासत को अगली पीढ़ी तक पहुंचाने का सार्थक प्रयास है। समारोह के दौरान विद्यालय की प्रत्येक कक्षा से सर्वोत्तम प्रदर्शन करने वाले एक विद्यार्थी का चयन कर उसे मेडल एवं प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। वहीं शिक्षण कार्य में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले शिक्षकों को स्मृति-चिह्न एवं प्रशस्ति-पत्र भेंट किए गए। सम्मान पाकर विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के चेहरे खिल उठे।

इस आयोजन से सभी का उत्साहवर्धन हुआ। इस अवसर पर सीए सचिन गुप्ता, डॉ. दुर्गा टंडन, हगपाल सिंह, मुकेश गुप्ता, अजय कुमार, लक्ष्मी पाठक, अर्चना, लक्ष्मी, अंजलि सहित विद्यालय के छात्र-छात्राएं एवं समस्त स्टाफ मौजूद रहा। कार्यक्रम का समापन गुरुजनों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना के साथ हुआ।

गढ़ गंगा घाट पर कार्तिक पूर्णिमा मेला 2026 का भूमि पूजन, गंगा आरती के साथ तैयारियों का शुभारंभ

हापुड़ (सब का सपना):- जनपद के गढ़मुक्तेश्वर गंगा घाट पर आयोजित होने वाले कार्तिक पूर्णिमा मेला 2026 का भूमि पूजन व गंगा आरती के साथ तैयारियों का शुभारंभ हुआ। जिला पंचायत अध्यक्ष रेखा नागर, विधायक गढ़मुक्तेश्वर हरेंद्र तेवतिया, जिलाधिकारी कविता मीना, मुख्य विकास अधिकारी श्रुति शर्मा, अपर जिलाधिकारी संदीप कुमार व अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत शिशुपाल सिंह ने पूजन व आरती की। इसके बाद मंडलायुक्त मेरठ भानु चंद्र गोस्वामी, डीआईजी मेरठ जोन कला निधि नैथानी, जिलाधिकारी कविता मीना व पुलिस अधीक्षक मधुवन कुमार सिंह ने अधिकारियों के साथ मेले को सौहार्दपूर्ण व शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने पर विचार-विमर्श किया। जिलाधिकारी ने सभी नोडल अधिकारियों को निर्देश दिया कि श्रद्धालुओं को मेले के दौरान कोई असुविधा न हो, इसके लिए समय से सभी व्यवस्थाएं पूर्ण कर ली जाएं। उन्होंने स्वच्छता में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतने, सभी रूटों का समय से भ्रमण करने और भैंसा दौड़ पर विशेष नजर रखकर प्रतिबंध सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। अपर पुलिस अधीक्षक ने सभी क्षेत्राधिकारियों को मेले से पूर्व भ्रमण कर व्यवस्थाएं दुरुस्त करने, घाटों पर समय से बैरिकेडिंग, वॉच टावर की ऊंचाई बढ़ाने व प्रकाश व्यवस्था बेहतर करने के निर्देश दिए। अंत में जिलाधिकारी ने कहा कि यह मेला पौराणिक व धार्मिक है, इसे धैर्य व श्रद्धा भाव से सकुशल संपन्न कराएं। किसी भी समस्या पर समय से उच्च अधिकारियों को अवगत कराएं। इस दौरान एसडीएम गढ़मुक्तेश्वर, सीएमओ, सीओ गढ़मुक्तेश्वर, वरिष्ठ भाजपा नेता व कार्यकर्ता सहित मेले से संबंधित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

त्योहारों के मद्देनजर बहजोई पुलिस ने किया पैदल मार्च

बहजोई/संभल(सब का सपना):- आगामी त्योहार गोवर्धन पूजा, दीपावली एवं भैया दूज को शांतिपूर्ण और सकुशल संपन्न कराने के उद्देश्य से बहजोई कोतवाली पुलिस ने बुधवार को नगर क्षेत्र में पैदल मार्च किया। अपर पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार रावत की मौजूदगी में पुलिस टीम ने नगर के विभिन्न बाजारों और प्रमुख चौराहों पर भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया।



पैदल मार्च कोतवाली बहजोई से शुरू होकर नया बाजार, ब्रह्म बाजार और इस्लामनगर चौराहे सहित नगर के विभिन्न प्रमुख मार्गों से होकर गुजरा। इस दौरान पुलिस अधिकारियों ने आमजन को सुरक्षा का भरोसा दिलाया तथा त्योहारों के दौरान शांति और कानून व्यवस्था बनाए रखने की अपील की।

पुलिस अधिकारियों ने कहा कि त्योहारों के दौरान किसी भी प्रकार की अव्यवस्था या अराजकता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। शांति व्यवस्था बिगाड़ने का प्रयास करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस मौके पर कोतवाली प्रभारी निरीक्षक राजीव कुमार मलिक सहित कोतवाली पुलिस का भारी बल मौजूद रहा।

पुलिस अधीक्षक से महिला ने लगाई न्याय की गुहार, पारिवारिक विवाद में पुलिस की भूमिका की निष्पक्ष जांच की मांग

फतेहपुर (सब का सपना):- जनपद के थाना जहानाबाद क्षेत्र की एक महिला ने पारिवारिक विवाद से जुड़े मामले में पुलिस की कार्यप्रणाली को लेकर पुलिस अधीक्षक फतेहपुर को शिकायती प्रार्थना पत्र देकर निष्पक्ष जांच एवं आवश्यक कार्रवाई की मांग की है। महिला ने अपने प्रार्थना पत्र में कुछ पुलिसकर्मियों पर धनराशि मांगने, समझौते के लिए दबाव बनाने तथा उसके पुत्र के रोजगार पर प्रतिकूल प्रभाव डालने जैसे गंभीर आरोप लगाए हैं। ग्राम सानी गढ़वा निवासी रजिया पत्नी शब्बीर के अनुसार, विपक्षी पक्ष के साथ उसका भरण-पोषण संबंधी विवाद चल रहा है। महिला का आरोप है कि 8 अक्टूबर को विपक्षी पक्ष के लोग उसके घर पहुंचे, जहां उसके साथ मारपीट एवं अभद्रता की गई। इस संबंध में उसने थाना जहानाबाद में लिखित शिकायत प्रस्तुत की थी। शिकायती प्रार्थना पत्र में महिला ने



आरोप लगाया है कि उक्त मामले में समझौता कराने के नाम पर थाना जहानाबाद के संबंधित पुलिसकर्मियों द्वारा 50 हजार रुपये की मांग की गई थी। महिला का दावा है कि उसने अपने जेवर गिरवी रखकर 20 हजार रुपये दिए थे। इसके बाद उसने इस संबंध में उच्चाधिकारियों को भी शिकायत प्रेषित की। महिला ने आगे आरोप लगाया कि शिकायत के बाद उस पर समझौता करने का दबाव बनाया गया। उसके अनुसार, 14 अक्टूबर को पटेल ढाबे पर बुलाकर कथित रूप से 20 हजार रुपये वापस करने के संबंध में दबाव बनाया गया। इस संबंध में भी उसने पुलिस अधीक्षक एवं क्षेत्राधिकारी बिंदकी को प्रार्थना पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है। शिकायत में एक अन्य गंभीर आरोप यह भी लगाया गया है कि 25 अक्टूबर 2026 को महिला के पुत्र को जिस दुकान पर काम मिलता था, वहां के दुकानदार को कथित रूप से पुलिस की ओर से उसे काम पर न रखने की चेतावनी दी गई। महिला का कहना है कि इसके बाद दुकानदार ने उसके पुत्र को काम से हटा दिया, जिससे परिवार की आर्थिक स्थिति और अधिक प्रभावित हुई। महिला के अनुसार, उसका परिवार पुत्र की मजदूरी पर निर्भर था और रोजगार छिन जाने के कारण परिवार के सामने भरण-पोषण का संकट उत्पन्न हो गया है। उसने अधिकारियों से लगातार शिकायत किए जाने के बावजूद अब तक अपेक्षित कार्रवाई न होने की बात भी अपने प्रार्थना पत्र में कही है। पीड़िता ने पुलिस अधीक्षक से पूरे प्रकरण की किसी निष्पक्ष उच्चाधिकारी से जांच कराने, संबंधित पुलिसकर्मियों पर लगाए गए आरोपों की सत्यता की पड़ताल करने, परिवार को अनावश्यक दबाव से सुरक्षा दिलाने तथा नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई किए जाने की मांग की है।

‹७बी-पैक्स रिवाड़ा और नगला अजमेरी के किसानों को अब जुनावई समिति से मिलेगा उर्वरक

सम्भल (सब का सपना):- जनपद में किसानों को आसानी से उर्वरक उपलब्ध कराने के लिए सहकारिता विभाग ने वितरण व्यवस्था में बदलाव किया है। जिलाधिकारी अंकित खंडेलवाल के निर्देशन में यह निर्णय लिया गया है। बी-पैक्स रिवाड़ा और नगला अजमेरी पर उर्वरक वितरण प्रतिबंधित होने के कारण इन समितियों से जुड़े किसानों को अब बी-पैक्स जुनावई से उर्वरक का वितरण किया जाएगा। इस व्यवस्था का उद्देश्य किसानों को उर्वरक प्राप्त करने में होने वाली परेशानियों से बचाना और वितरण प्रक्रिया को सुचारू बनाए रखना है।



सहायक आयुक्त एवं सहायक निबंधक सहकारिता ज्ञान प्रकाश सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि बी-पैक्स रिवाड़ा और नगला अजमेरी से संबद्ध किसानों को अब उर्वरक के लिए बी-पैक्स जुनावई जाना होगा। उन्होंने संबंधित समितियों के सभी किसानों से अपील की है कि वे निर्धारित नियमों के अनुसार जुनावई समिति से उर्वरक प्राप्त करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि किसानों को उर्वरक उपलब्ध कराने के लिए निर्धारित व्यवस्था के अनुसार वितरण किया जाएगा। किसान समय रहते संबंधित समिति से संपर्क कर अपनी आवश्यकता के अनुसार उर्वरक प्राप्त कर सकते हैं। सहकारिता विभाग का प्रयास है कि किसानों को खेती के लिए जरूरी उर्वरक उपलब्ध कराने में किसी प्रकार की असुविधा न हो और कृषि कार्य प्रभावित न हों।

ग्रेटर नोएडा में स्वच्छता का नया अध्याय, 22 नए सार्वजनिक शौचालयों का होगा निर्माण

ग्रेटर नोएडा। शहर को साफ-सुथरा और सुविधाजनक बनाने की दिशा में ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने एक अहम कदम उठाया है। सार्वजनिक सुविधाओं को मजबूत करने के लिए शहर में 22 नए सार्वजनिक शौचालयों का निर्माण कराया जाएगा। इसके लिए प्राधिकरण की ओर से निविदा जारी कर दी गई है। इस योजना के धरातल पर उतरने के बाद शहरवासियों और यहां आने वाले लोगों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। अब तक सार्वजनिक



स्थानों, बाजारों और व्यस्त इलाकों में शौचालय की पर्याप्त सुविधा नहीं होने से लोगों को कई बार परेशानियों का सामना करना पड़ता है। खासकर महिलाओं, बुजुर्गों, बच्चों और राहगीरों के लिए यह समस्या अधिक चुनौतीपूर्ण रहती है। ऐसे में 22 नए सार्वजनिक शौचालयों का निर्माण शहर की बुनियादी सुविधाओं को बेहतर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल साबित हो सकता है। प्राधिकरण की इस योजना का उद्देश्य केवल शौचालयों की संख्या बढ़ाना नहीं, बल्कि सार्वजनिक स्थानों पर स्वच्छता और नागरिक सुविधाओं को नई मजबूती देना भी है। नए शौचालय बनने से खुले में गंदगी फैलने की समस्या पर अंकुश लगाने और स्वच्छ वातावरण तैयार करने में भी मदद मिलेगी। निविदा जारी होने के साथ ही अब निर्माण प्रक्रिया आगे बढ़ने का रास्ता खुल गया है। हालांकि, इन शौचालयों का निर्माण कब शुरू होगा और किन-किन स्थानों पर इन्हें बनाया जाएगा, इसकी विस्तृत जानकारी सामने आना बाकी है। शहर के विकास की रफ्तार के बीच यह पहल साफ संदेश दे रही है कि असली विकास वही है, जिसमें चमकती सड़कों के साथ आम आदमी की बुनियादी जरूरतों का भी पूरा ध्यान रखा जाए।

डीएम कार्यालय में अधिवक्ताओं की एंट्री को लेकर विवाद, सैकड़ों वकील धरने पर बैठे

दुर्व्यवहार और अपमानित करने का आरोप लगाकर जमकर की नारेबाजी, डीएम के स्थानांतरण की मांग पर अड़े अधिवक्ता





बिजनौर (सब का सपना):- जिलाधिकारी कार्यालय में अधिवक्ताओं के प्रवेश को लेकर बुधवार को विवाद खड़ा हो गया। जिला बार एसोसिएशन बिजनौर के पूर्व सचिव एडवोकेट रामेंद्र सिंह ने डीएम कार्यालय में उनके साथ दुर्व्यवहार और अपमानित किए जाने का आरोप लगाया। घटना से नाराज सैकड़ों अधिवक्ता डीएम कार्यालय के सामने धरने पर बैठ गए। अधिवक्ताओं ने जमकर नारेबाजी करते हुए जिलाधिकारी के रवैये पर विरोध जताया और उनके स्थानांतरण की मांग उठाई। जानकारी के अनुसार, एडवोकेट रामेंद्र सिंह बुधवार को एक मृतक आश्रित प्रकरण के संबंध में अपनी मुवक्किल के साथ जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचे थे। आरोप है कि उन्होंने पहले अपना विजिटिंग कार्ड कार्यालय के अंदर भिजवाया, जिस पर उन्हें जवाब मिला कि जिलाधिकारी के यहां कोई कार्ड नहीं चलता। इसके बाद वह लाइन में लगकर अंदर पहुंचे तो कथित तौर पर उन्हें बताया गया कि वकीलों का प्रवेश प्रतिबंधित है और वे अंदर नहीं जा सकते।एडवोकेट रामेंद्र सिंह का आरोप है कि इस दौरान उनके साथ दुर्व्यवहार किया गया और उनका वीडियो बनाकर उन्हें अपमानित किया गया। उन्होंने जिलाधिकारी के रवैये पर नाराजगी जताते हुए इसे अधिवक्ताओं के सम्मान से जुड़ा मामला बताया। उनका कहना है कि अधिवक्ताओं के साथ इस तरह का व्यवहार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। घटना की जानकारी मिलते ही जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष राजेंद्र सिंह, महासचिव मनोज शेट्टी, विनय कंबोज, अंकित शादीपुर, मुलायम सिंह, अंकित, मोहित समेत सैकड़ों अधिवक्ता जिलाधिकारी कार्यालय के सामने एकत्र हो गए। इसके बाद अधिवक्ताओं ने धरना-प्रदर्शन शुरू कर दिया और जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शन के दौरान अधिवक्ताओं ने जिलाधिकारी के कथित व्यवहार पर कड़ी नाराजगी जताते हुए उनके स्थानांतरण की मांग की। धरने पर बैठे अधिवक्ताओं ने कहा कि अधिवक्ताओं के सम्मान और उनके अधिकारों की अनदेखी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। एडवोकेट रामेंद्र सिंह ने ऐलान किया कि जब तक जिलाधिकारी के स्थानांतरण की मांग पूरी नहीं होती, तब तक अधिवक्ताओं का धरना जारी रहेगा। डीएम कार्यालय के सामने सैकड़ों अधिवक्ताओं के धरना-प्रदर्शन और नारेबाजी से मौके पर हलचल बनी रही।

भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा का जिला मंत्री बनने पर कपिल पवार का सम्मान





नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा का जिला मंत्री बनाए जाने पर मोहल्ला वाल्मीकि बस्ती निवासी एवं नगर पालिका परिषद के भाजपा सभासद कपिल पवार का बस्ती के लोगों ने फूल-मालाएं पहनाकर भव्य स्वागत किया। इस दौरान आयोजित सम्मान समारोह में समर्थकों ने उन्हें पगड़ी बांधकर सम्मानित किया। कपिल पवार को जिला मंत्री बनाए जाने की सूचना मिलते ही उनके समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ गई। वाल्मीकि बस्ती स्थित एक बैंक्वेट हॉल में पूर्व क्षेत्र मंत्री अनूप वाल्मीकि की अध्यक्षता में सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में अनूप वाल्मीकि, महेश उर्फ दारा, मनोज वाल्मीकि, रोहित भगत, जलेश कुमार और सोनी कुमार ने संयुक्त रूप से कपिल पवार को पगड़ी बांधकर सम्मानित किया। वहीं, कपिल पवार ने अनूप वाल्मीकि को पगड़ी पहनाकर एवं फूल-माला भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम में पहुंचे भाजपा जिला उपाध्यक्ष नीरज बिश्नोई, प्रहलाद कुशवाहा, कव्यूम लाइन, सभासद डॉ. भूपेश चौहान, सोहन सैनी और रोहित बिश्नोई का भी फूल-मालाएं पहनाकर स्वागत किया गया। समारोह की अध्यक्षता करते हुए पूर्व क्षेत्र मंत्री अनूप वाल्मीकि ने कहा कि भाजपा ऐसी राजनीतिक पार्टी है, जो वाल्मीकि समाज के नेताओं और कार्यकताओं को संगठन में नेतृत्व करने का अवसर देने के साथ सम्मान भी प्रदान करती है। उन्होंने कहा कि कपिल पवार भाजपा के टिकट पर नगर पालिका सभासद का चुनाव जीते हैं। संगठन के प्रति उनकी निष्ठा और कार्यशैली को देखते हुए पार्टी ने उन्हें अनुसूचित जाति मोर्चा में जिला मंत्री का दायित्व सौंपा है। उन्होंने कपिल पवार से आगामी 2027 के विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए अभी से संगठन के कार्यों और अभियानों में जुटने का आह्वान किया, ताकि प्रदेश में तीसरी बार भाजपा की सरकार बनाई जा सके। नवनियुक्त जिला मंत्री कपिल पवार ने समारोह में उपस्थित सभी अतिथियों और समर्थकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पार्टी ने जिस उम्मीद और विश्वास के साथ उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपी है, उस पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करेंगे।

उन्होंने संगठन को मजबूत बनाने और पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प भी जताया। कार्यक्रम का संचालन मनोज वाल्मीकि ने किया। इस अवसर पर सचिन कुमार, रोहित कुमार, विवेक कुमार, दीपक कुमार, छोटू उर्फ नितिन, रूपेश कुमार, वसु कुमार, संजय कुमार और निखिल कुमार सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

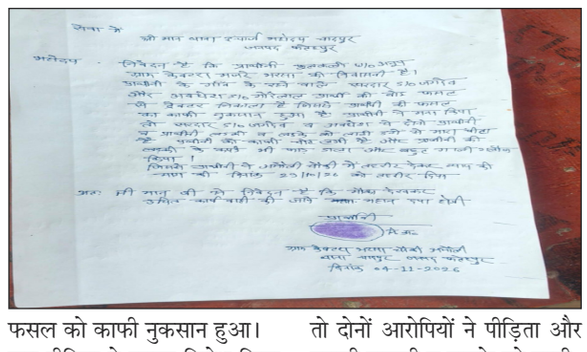
कालपी बार अध्यक्ष की हत्या के विरोध में अधिवक्ताओं ने सौंपा ज्ञापन

मृतक के परिजनों को एक करोड़ रुपये मुआवजा और परिवार के एक सदस्य को नौकरी देने की मांग



फतेहपुर (सब का सपना):- जालौन जिले की कालपी तहसील बार एसोसिएशन के अध्यक्ष गयादीन अहिरवार की हत्या के विरोध में जिला बार एसोसिएशन फतेहपुर ने मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा। अधिवक्ताओं ने हत्याकांड का जल्द खुलासा कर दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की। बार एसोसिएशन के अध्यक्ष बाबू सिंह यादव और महामंत्री अनुराग नारायण मिश्र की ओर से दिए गए ज्ञापन में कहा गया कि 31 अक्टूबर को अधिवक्ता गयादीन अहिरवार की हत्या कर दी गई थी। इस घटना से अधिवक्ता समाज आहत और आक्रोशित है। ज्ञापन में मांग की गई कि हत्याकांड का शीघ्र पदाफांश कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। मृतक अधिवक्ता के परिवार के एक सदस्य को नौकरी और परिजनों को एक करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता दी जाए। साथ ही प्रदेश में अधिवक्ता संरक्षण अधिनियम लागू कर अधिवक्ताओं की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। इस दौरान वरिष्ठ उपाध्यक्ष चंद्र प्रकाश गुप्ता, उपाध्यक्ष मंजुला राजपूत, राजेश प्रसाद तिवारी, कनिष्ठ उपाध्यक्ष पुष्पा देवी मौर्य, आदित्य शर्मा, कोषाध्यक्ष सुनील कुमार गुप्ता, संयुक्त सचिव सतीश शर्मा, छाया देवी, अविनाश कुमार सिंह, अस्त्रनंत नारायण दुबे, हृदयराम श्रीवास्तव, दीप चंद्र त्रिपाठी, सुनील कुमार साहू, महाप्रसाद दुबे, राजेश सिंह गौतम, ऐश्वर्या श्रीवास्तव, आयशा सहाब, नेकेता सोनकर, सावित्री बानो, सुमित सिंह और तनत कुमार निषाद सहित अन्य अधिवक्ता मौजूद रहे।

खेत से ट्रैक्टर निकालने का विरोध करने पर महिला और बच्चों की पिटाई, कपड़े फाड़ने का आरोप



फतेहपुर (सब का सपना):- जनपद के चांदपुर थाना क्षेत्र के अमौली चौकी अंतर्गत ग्राम केवटरा मजरे भरसा में दबंगों की दबंगई का मामला सामने आया है। पीड़िता फूलकली पत्नी अनूप निवासी ग्राम केवटरा मजरे भरसा ने थाना प्रभारी चांदपुर को दिए गए प्रार्थना पत्र में बताया कि गांव के ही रहने वाले सरदार पुत्र जगदेव और अवधेश पुत्र गौरे लाल द्वारा बोई हुई फसल में से ट्रैक्टर निकाल दिया गया, जिससे उसकी फसल को काफी नुकसान हुआ। जब पीड़िता ने इसका विरोध किया तो दोनों आरोपियों ने पीड़िता और उसकी लड़की व लड़के को लाठी-डंडों से मारपीट कर घायल कर दिया। आरोप है कि पीड़िता को काफी चोटें आई हैं और उसकी लड़की के कपड़े भी फाड़ दिए गए और गाली-गलौज की गई। पीड़िता ने बताया कि इस संबंध में उसने 29 अक्टूबर को अमौली चौकी में तहरीर देकर न्याय की मांग की थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। अब पीड़िता ने चार नबंबर को पुनः थाना प्रभारी चांदपुर से मौका मुआयना कर उचित कार्रवाई की मांग की है।

चांदपुर के डाली बाजार में आयुर्वेदिक मेडिकल स्टोर में लगी भीषण आग, लाखों का सामान राख

शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका, दमकल विभाग ने कड़ी मशक्कत के बाद पाया काबू



बिजनौर (सब का सपना):- जिले के चांदपुर थाना क्षेत्र के डाली बाजार में बुधवार सुबह एक आयुर्वेदिक मेडिकल स्टोर में भीषण आग लगने से लाखों रुपये का सामान जलकर राख हो गया। आग की लपटें और दुकान से उठते घने धुएं को देखकर बाजार में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलने पर पहुंची दमकल विभाग की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। गनीमत रही कि हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई। जानकारी के अनुसार, बुधवार सुबह बाजार खुलने के दौरान अचानक आयुर्वेदिक मेडिकल स्टोर से धुआं उठने लगा। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और पूरी दुकान को अपनी चपेट में ले लिया। दुकान के अंदर रखा सामान, दवाइयां और फर्नीचर आग की भेंट चढ़ गए। आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। दुकान से उठती आग की लपटें देखकर आसपास के दुकानदारों में दहशत फैल गई। कई दुकानदार अपनी दुकानों से बाहर निकल आए और अपने सामान को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने में जुट गए। घटना से डाली बाजार में काफी देर तक अफरा-तफरी का माहौल बना रहा।सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग से मेडिकल स्टोर में लाखों रुपये के नुकसान की आशंका जताई जा रही है। हादसे में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

को मिलेगा न्याय:- सीओ आलोक सिंह

शांति व्यवस्था बनाए रखना प्राथमिकता, अवैध कारोबार करने वालों पर भी रहेगी पैनी नजर



नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- नवागत पुलिस क्षेत्राधिकारी आलोक सिंह ने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप निष्पक्षता और ईमानदारी के साथ कार्य करते हुए क्षेत्र में अपराधों पर अंकुश लगाना उनकी प्राथमिकता है। अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर उन्हें कानून का सबक सिखाया जाएगा। क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने के साथ आमजन को भयमुक्त वातावरण उपलब्ध कराने के लिए पुलिस प्रशासन पूरी तरह प्रतिबद्ध है। बुधवार को शिष्टाचार भेंट के दौरान पत्रकारों से बातचीत करते हुए सीओ आलोक सिंह ने कहा कि क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखना उनकी पहली प्राथमिकता होगी। शांति व्यवस्था से खिलवाड़ करने वाले असामाजिक तत्वों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा भयमुक्त समाज की स्थापना करना है और इसे साकार करने के लिए पुलिस पूरी निष्ठा के साथ काम करेगी। उन्होंने कहा कि प्रत्येक पीड़ित की समस्या को गंभीरता से सुनकर उसका निष्पक्ष समाधान कराने का प्रयास किया जाएगा। किसी भी पीड़ित के साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा। अपराध और अपराधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे तथा आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त लोगों के खिलाफ कार्रवाई कर उन्हें सलाखों के पीछे भेजा जाएगा। इसके साथ ही क्षेत्र में अवैध कारोबार करने वालों और माफिया तत्वों पर भी पैनी नजर रखी जाएगी, ताकि गैरकानूनी गतिविधियों पर रोक लगाई जा सके।मीडिया के साथ अपने संबंधों को लेकर उन्होंने कहा कि जिन स्थानों पर उन्होंने पूर्व में कार्य किया है, वहां पत्रकारों के साथ सम्मानजनक संबंध बनाए रखे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि पत्रकारिता का सम्मान किया जाएगा, लेकिन व्यक्तिगत स्वार्थ के लिए संबंधों का अनुचित लाभ उठाने वालों से दूरी रखी जाएगी। अंत में सीओ आलोक सिंह ने पत्रकारों से पुलिस प्रशासन को सहयोग देने की अपील की। उन्होंने कहा कि पुलिस और मीडिया के बीच बेहतर समन्वय से क्षेत्र की समस्याओं को सामने लाने तथा कानून-व्यवस्था को मजबूत बनाने में मदद मिलेगी।

चाय पीने के बाद तीन लोगों की बिगड़ी हालत, महिला की मौत; दो की हालत गंभीर

नहटौर में पुश्तैनी मकान का बैनामा कराने आई थी महिला, जहरीले पदार्थ के सेवन की आशंका



बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के नहटौर में मंगलवार को चाय पीने के बाद एक महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई, जबकि उसके साथ मौजूद दो अन्य लोगों की हालत गंभीर हो गई। घटना से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। चिकित्सकों ने तीनों की तबीयत बिगड़ने के पीछे जहरीले पदार्थ के सेवन की आशंका जताई है।

जानकारी के अनुसार, गाजियाबाद के लोनी देहात स्थित चांद मुस्तफाबाद निवासी जायदा अपने पुश्तैनी मकान का बैनामा कराने के सिलसिले में नहटौर आई थीं। मंगलवार को वह अपने भाई आबिद और भाई के ससुर अशरफ के साथ मोहल्ला सराय रजब अली स्थित मकान पर पहुंचीं। बताया जाता है कि तीनों ने वहां चाय पी। कुछ ही देर बाद उनकी अचानक तबीयत बिगड़ने लगी।परिजन और आसपास के लोग आनन-फानन में तीनों को अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने जायदा को मृत घोषित कर दिया। वहीं, गंभीर हालत में आबिद और अशरफ को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और महिला के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। थानाध्यक्ष वीरेंद्र सिंह के मुताबिक, पुलिस मामले की जांच कर रही है। चाय में जहरीला पदार्थ मिलाए जाने की आशंका सहित सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही महिला की मौत के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा।

अंबापुर-हथगांव मार्ग पर जानलेवा बना संकरा मोड़, पिकअप पुलिया से पलटी

रजाबाद के पास आए दिन हो रहे हादसे, कुछ दिन पहले स्कॉर्पियो भी गिरी थी



फतेहपुर (सब का सपना):- जिले के अंबापुर-हथगांव मार्ग पर रजाबाद गांव के पास संकरी और जर्जर पुलिया वाहन चालकों के लिए खतरा बनी हुई है। बुधवार सुबह मुर्गियों से लदी एक पिकअप अनियंत्रित होकर पुलिया के नीचे पलट गई। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। गनीमत रही कि कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन वाहन क्षतिग्रस्त हो गया। ग्रामीणों के मुताबिक पुलिया की चौड़ाई काफी कम है और दोनों ओर सुरक्षा रेलिंग भी नहीं है। इसके पास बना अंधा मोड़ तथा सड़क किनारे खड़े पेड़ और झाड़ियां सामने से आने वाले वाहनों को देखने में बाधा पैदा करते हैं। ऐसे में वाहन चालकों को अक्सर परेशानी का सामना करना पड़ता है। स्थानीय लोगों ने बताया कि कुछ दिन पहले एक स्कॉर्पियो भी इसी पुलिया से नीचे गिर गई थी। इसके बावजूद जिम्मेदार विभाग ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम नहीं किए। पुलिया इतनी संकरी है कि दो वाहन एक साथ आसानी से नहीं निकल पाते।

रात के समय यहां दुर्घटना का खतरा और बढ़ जाता है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन और लोक निर्माण विभाग से पुलिया का चौड़ीकरण कराने के साथ दोनों ओर मजबूत रेलिंग, चेतावनी संकेतक बोर्ड और अन्य सुरक्षा इंतजाम करने की मांग की है। लोगों का कहना है कि समय रहते सुधार नहीं कराया गया तो कोई बड़ा हादसा हो सकता है।

दीपावली पर उज्ज्वला लाभार्थियों को मिला निःशुल्क सिलेंडर रिफिल का उपहार, हापुड़ के 71,530 परिवार होंगे लाभान्वित



हापुड़ (सब का सपना):- दीपावली के पावन अवसर पर प्रदेश सरकार द्वारा प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के अंतर्गत पात्र लाभार्थियों को निःशुल्क रसोई गैस सिलेंडर रिफिल की सुविधा दी जा रही है। जनपद हापुड़ के कुल 71,530 उज्ज्वला लाभार्थी परिवार इससे लाभान्वित होंगे।योजना का शुभारंभ मंगलवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा लोक भवन लखनऊ से डिजिटल माध्यम से किया गया। इस अवसर पर प्रदेश के 1.89 करोड़ से अधिक पात्र परिवारों को रिफिल सब्सिडी के लिए 1,500 करोड़ रुपये की धनराशि हस्तांतरित की गई। यह धनराशि लाभार्थियों के बैंक खातों में सीधे भेजी जाएगी। जनपद हापुड़ में आयोजित कार्यक्रम में विधायक विजय पाल आढ़ती, जिला पंचायत अध्यक्ष रेखा नागर, सांसद प्रतिनिधि अशोक बबली एवं विनोद गुप्ता की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम में जिलाधिकारी एवं जिला पूर्ति अधिकारी भी मौजूद रहे। जनप्रतिनिधियों ने लाभार्थी महिलाओं को निःशुल्क गैस सिलेंडर रिफिल का लाभ प्रदान किया।

इस अवसर पर कहा गया कि उज्ज्वला योजना महिलाओं को धुएं से मुक्ति दिलाने, स्वच्छ ईंधन को बढ़ावा देने और उनका जीवन सुरक्षित बनाने की महत्वपूर्ण पहल है। दीपावली पर निःशुल्क रिफिल से गरीब परिवारों को विशेष राहत मिलेगी। जिला प्रशासन व जिला पूर्ति विभाग द्वारा योजना का लाभ पात्रों तक सुचारु व पारदर्शी ढंग से पहुंचाने के लिए व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं।

सोशल मीडिया पर तमंचे के साथ वीडियो वायरल करने वाला एक आरोपी गिरफ्तार



फतेहपुर (सब का सपना):- सोशल मीडिया पर असलहा लहराते हुए वीडियो वायरल करने के मामले में चांदपुर थाना पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। उसके कब्जे से 12 बोर का अवैध तमंचा बरामद हुआ है। पुलिस के अनुसार, सोशल मीडिया पर हिंदू दबंग टीम के नाम से पांच युवकों का असलहों के साथ वीडियो और तस्वीरें वायरल हुई थीं। मामले का संज्ञान लेते हुए पुलिस ने चार नवंबर को मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। विवेचना के दौरान शस्त्र अधिनियम की धाराओं में बढ़ोतरी की गई। पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान के तहत चांदपुर पुलिस ने बुधवार को ग्राम धाना निवासी शैलेन्द्र निषाद पुत्र स्व. हरिश्चन्द्र को गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से एक हस्तनिर्मित 12 बोर का तमंचा बरामद हुआ। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश किया।

संक्षिप्त डायरी

एसटीएफ ने झज्जर में कारतूसों का बड़ा जखीरा पकड़ा

एजेंसी

गुरुग्राम। एसटीएफ बिहार से मिली सूचना के आधार पर हरियाणा एसटीएफ ने बड़ी कार्रवाई करते हुए मंगलवार को झज्जर में 25 हजार जिंदा कारतूसों के साथ पांच तस्करों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों में एक महिला भी शामिल है। जानकारी के अनुसार 3 नवंबर 2026 की सुबह एसटीएफ की रोहतक टीम ने जिला झज्जर के रोहद में त्रिवेणी ढाबे के सामने सडक किनारे खड़ी दो गाडिों टाटा हैरियर व हुंडई ऑरा की तलाशी ली। तलाशी के दौरान टाटा हैरियर से केएफ 7.65 और बीएमएम केएफ बोर के 24,400 जिंदा कारतूस बरामद हुए। गाड़ी में तीन लोग सवार थे। वहीं हुंडई ऑरा से बीएमएम केएफ अंकित 600 जिंदा कारतूस मिले। इस गाड़ी में दो लोग सवार थे। कुल मिलाकर 25,000 कारतूस बरामद किए गए। मौके से आठ मोबाइल फोन भी बरामद हुए। पकड़े गए आरोपियों की पहचान अफीफुद्दीन उर्फ मुन्ना खान (49), निवासी बदायूं उत्तर प्रदेश, आसिम रईस (33) निवासी बदायूं, सबलू खान (32) निवासी बदायूं, अरबाज अली (27) निवासी बदायूं, जीनत (33) बदायूं के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपियों से बरामद गाडिां, कारतूस और मोबाइल फोन कब्जे में ले लिए। कारतूसों के संबंध में आरोपी कोई लाइसेंस नहीं दिखा पाए। इस संबंध में थाना आसोदा जिला झज्जर में आर्म्स एक्ट में मंगलवार को एफआईआर दर्ज की गई है। बताया जा रहा है कि एक दिन पहले ही एसटीएफ बिहार पुलिस ने भोजपुर जिले में इसी तरह के मामले में लल्टू नामक व्यक्ति को उसके साथियों के साथ गिरफ्तार किया था और करीब 20,000 कारतूस बरामद किए थे। आरोप है कि लल्टू, अफीफुद्दीन उर्फ मुन्ना खान के निकट संपर्क में था और उसी से कारतूस प्राप्त किए थे। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि अफीफुद्दीन बदायूं के सिविल लाइंस थाना क्षेत्र में बदायूं गन हाउस चलाता है। वह सिरसा गया था और वहां के निवासी विजय गोयल से कारतूसों का यह बड़ा जखीरा प्राप्त किया था। विजय गोयल सिरसा स्थित महक गन हाउस का मालिक है। कारतूसों के स्रोत और गन हाउसों के वितरण नेटवर्क का पता लगाने के लिए एसटीएफ बिहार पुलिस और उत्तर प्रदेश पुलिस के समन्वय से आगे की जांच की जा रही है।

ऋषिकेश घूमकर लौटे इंजीनियर की बाथटब में मिली लाश

एजेंसी

गुरुग्राम। सेक्टर-53 स्थित एक होटल के कमरे में यूके से भारत आए एक इंजीनियर का शव संदिग्ध हालत में बाथटब में मिला है। मृतक हाल ही में ऋषिकेश घूमकर लौटा था और सोमवार रात गुरुग्राम में रुका था। पुलिस प्रवक्ता ने मंगलवार को बताया कि मामले की जांच की जा रही है। मृतक की पहचान प्रांजिल पाठक (35) के रूप में हुई है। वह मूल रूप से उत्तर प्रदेश के आगरा की ओल्ड ईदगाह कॉलोनी का रहने वाला था और यूनाइटेड किंगडम में मैनचेस्टर में रहकर एक मल्टीनेशनल कंपनी में इंजीनियर के तौर पर काम करता था। शुरूआती जांच में सामने आया कि प्रांजिल हाल ही में यूके से भारत आया था। वह उत्तराखंड के ऋषिकेश में छुट्टियां मनाने के बाद सोमवार को दिल्ली लौटा। इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर एक दोस्त को फ्लाइट में छोडे के बाद उसने रात बिताने के लिए सेक्टर-53 स्थित ओरसम होटल में कमरा नंबर 302 बुक किया था। रात करीब 8 बजे होटल स्टाफ को अनहोनी का शक हुआ तो कमरे की जांच की गई। अंदर जकूजी (बाथटब) में प्रांजिल अचेत अवस्था में पड़ा मिला। डॉक्टर को बुलाया गया, जिसने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना पर सेक्टर-53 थाना पुलिस और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर कमरा सील कर दिया। होटल की तीसरी मंजिल और एंट्री-एग्जिट के सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए। जांच अधिकारी के मुताबिक प्रांजिल के कमरे में जाने के बाद किसी बाहरी व्यक्ति के अंदर जाने का कोई फुटेज नहीं मिला है। कमरा अंदर से लॉक था। प्रांजिल की मौत की खबर से आगरा में परिवार में शोक छा गया। बताया जा रहा है कि उसका करियर अच्छा चल रहा था और जल्द ही यूके में उसकी शादी होने वाली थी, जिसकी तैयारियां चल रही थीं। जांच अधिकारी अजय के अनुसार फिलहाल मौत की वजह स्पष्ट नहीं है। जकूजी में नहाते समय दिल का दौरा, फिसलने या अन्य कारण हो सकते हैं। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चल पाएगा।

सुपरवाइजर को लोहे की रॉड से पीटा

एजेंसी

नोएडा। फेज-2 थाना क्षेत्र के सी-15 होजरी कॉम्प्लेक्स स्थित एक प्लास्टिक कंपनी में विवाद के बाद सहकर्मी ने सुपरवाइजर पर लोहे की रॉड से हमला कर दिया। मारपीट में सुपरवाइजर सोमवीर गंभीर रूप से घायल हो गए। हरियाणा के हिसार जिले के सिसर गांव निवासी नवीन कुमार के अनुसार, उनके बड़े भाई सोमवीर सी-15 होजरी कॉम्प्लेक्स स्थित ट्यूलिप प्लास्टिक प्राइवेट लिमिटेड कंपनी में सुपरवाइजर हैं। शनिवार को कंपनी में किसी बात को लेकर सोमवीर और वहां काम करने वाले मारुति नंदन तिवारी के बीच विवाद हो गया। आरोप है कि इस दौरान मारुति ने लोहे की रॉड से सोमवीर पर हमला कर दिया। इससे उन्हें गंभीर चोटें आईं। थाना प्रभारी राघवेंद्र सिंह ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर प्राथमिकी दर्ज की गई है।

हादसे के सात दिन बाद दर्ज हुई थाने में प्राथमिकी

एजेंसी

नोएडा। ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे पर ट्रक की टक्कर से कार मैकेनिक रईस की मौत के मामले में पुलिस ने सात दिन बाद प्राथमिकी दर्ज की है। 28 अक्तूबर को हुए हादसे में घायल रईस ने ग्रेटर नोएडा के जिम्स अस्पताल में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया था। मृतक के भाई हम्मस की शिकायत पर मंगलवार को ट्रक चालक के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की गई। हम्मस ने पुलिस को बताया कि वह और रईस 28 अक्तूबर की सुबह एक खराब वाहन की मरम्मत के लिए एक्सप्रेसवे पर गए थे। मरम्मत के बाद लौटते समय एक ट्रक ने उनकी कार में पीछे से टक्कर मार दी। इस हादसे में रईस गंभीर रूप से घायल हो गया था। थाना प्रभारी मनोज कुमार ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

यमुना एक्सप्रेसवे की दोनों लेन पर चल रही मरम्मत

एजेंसी

नोएडा।यमुना एक्सप्रेसवे पर सड़क की खामियों को दूर करने के लिए मरम्मत कराई जा रही है। कई स्थानों पर सड़क खराब होने से वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। इसे देखते हुए एक्सप्रेसवे प्रबंधन की ओर से मरम्मत कार्य शुरू कराया गया है। एक्सप्रेसवे पर लगातार वाहनों की आवाजाही के चलते कई स्थानों पर सड़क की सतह खराब हो गई थी। इससे वाहनों के आवागमन में दिक्कत आ रही थी। अब क्षतिग्रस्त हिस्सों को दुरुस्त किया जा रहा है, जिससे वाहन चालकों को सुरक्षित और सुगम सफर मिल सके।

साइलेंट स्ट्राइकर्स ने 4 विकेट से जीता मुकाबला

एजेंसी

नोएडा। सेक्टर-80 स्थित इंपीरियल क्रिकेट मैदान में मंगलवार सुबह अल्टीमेट क्रिकेट बैटर सीजन-5 का लीग मैच हुआ। मुकाबला साइलेंट स्ट्राइकर्स ने 4 विकेट से अपने नाम किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए मिरेकल स्ट्राइकर्स 160 रन पर ऑल आउट हो गई। लक्ष्य का पीछा करने उतरी साइलेंट स्ट्राइकर्स ने 6 विकेट के नुकसान पर 165 रन बनाकर जीत दर्ज की। मुकाबले में साइलेंट स्ट्राइकर्स के गौतम 65 रन बनाकर प्लेयर ऑफ द मैच बने। वीकडे नाइट सीजन-6 का लीग मुकाबला खेला गया। मुकाबले में जाइंट वॉरियर्स ने 83 रन से जीता हासिल की। पहले बल्लेबाजी करने उतरी जाइंट वॉरियर्स 283 रन पर ऑल आउट हो गई। लक्ष्य का पीछा करने उतरी डीएचएस इलेवन 10 विकेट गंवा कर 200 रन ही बना सकी। मुकाबले में जाइंट वॉरियर्स के गोलू 202 रन बनाकर बेस्ट बैटर बने।

दीपावली के मद्देनजर औद्योगिक क्षेत्रों की सुरक्षा एवं श्रमिकों से जुड़े विषयों पर क्हअ की पुलिस प्रशासन, UPSIDA एवं श्रम विभाग के अधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक







एजेंसी

नोएडा। इंडस्ट्रियल बिजनेस एसोसिएशन (IBA) द्वारा साइट-5 एवं EPIP औद्योगिक क्षेत्र के उद्यमियों की सुरक्षा एवं औद्योगिक गतिविधियों को सुचारु बनाए रखने के उद्देश्य से पुलिस प्रशासन एवं UPSIDA के अधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता ADCP श्री संतोष कुमार ने की। बैठक में पुलिस प्रशासन की ओर से डॉ. रवि शंकर मिश्रा, ACP-3; श्री प्रदीप शर्मा, रल्ड कासना तथा श्री हर्षवर्धन, सब-इंस्पेक्टर एवं चौकी प्रभारी साइट-5 उपस्थित रहे। UPSIDA की ओर से श्री अनिल शर्मा, रीजनल मैनेजर, गौतम बुद्ध नगर एवं श्री एन.के. जैन, अधिशासी अभियंता उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त श्रम प्रवर्तन अधिकारी श्री जय प्रकाश सिंह भी बैठक में शामिल हुए। IBA की ओर से उपाध्यक्ष श्री राजेश खन्ना, जॉइंट सेक्रेटरी श्री विकास राय, सेक्टर सेक्रेटरी (साइट-5) श्री वीरेंद्र प्रताप रावल एवं वरिष्ठ सदस्य श्री आकाश अश्वथी सहित एसोसिएशन के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। बैठक में साइट-5 एवं एढक्ढ औद्योगिक क्षेत्र के अनेक उद्यमियों ने सहभागिता की। इनमें वरिष्ठ उद्यमी श्री प्रमोद , PPAP Automotive से श्री सुनील कुमार दीक्षित तथा कई वरिष्ठ उद्यमी शामिल रहे। बैठक का प्रमुख उद्देश्य दीपावली के दौरान एवं उसके पश्चात औद्योगिक क्षेत्रों में कानून-व्यवस्था, सुरक्षा एवं औद्योगिक गतिविधियों को निर्बाध बनाए रखना रहा। बैठक में श्रमिकों को समय पर वेतन एवं दीपावली बोनस का भुगतान सुनिश्चित करने तथा श्रमिकों की छुट्टियों एवं उनके आवागमन से संबंधित विषयों पर चर्चा की गई। विशेष रूप से दीपावली के अवसर पर लंबी छुट्टियों के दौरान बड़ी संख्या में श्रमिकों के अपने गृह जनपद चले जाने और कई औद्योगिक इकाइयों के अस्थायी रूप से बंद रहने की स्थिति में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर गंभीरता से विचार-विमर्श किया गया। इस दौरान औद्योगिक क्षेत्रों में पुलिस गश्त बढ़ाने, संवेदनशील स्थानों एवं संभावित अपराध प्रभावित क्षेत्रों की पहचान करने, आवश्यकतानुसार नए स्थानों पर CCTV कैमरे स्थापित कराने तथा फैक्ट्री प्रबंधन, सुरक्षा गार्डों एवं अन्य संबंधित कर्मचारियों को सतर्कता बरतने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश देने जैसे महत्वपूर्ण सुझावों पर चर्चा हुई। बैठक में इस बात पर विशेष जोर दिया गया कि दीपावली की छुट्टियों के दौरान बंद रहने वाली औद्योगिक इकाइयों में चोरी, आगजनी एवं अन्य अप्रिय घटनाओं की रोकथाम के लिए पुलिस प्रशासन, UPSIDA एवं उद्यमियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित किया जाए। क्हअ का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि दीपावली का त्योहार शांतिपूर्ण एवं सुरक्षित वातावरण में संपन्न हो तथा त्योहार के दौरान और उसके बाद औद्योगिक क्षेत्रों में किसी भी प्रकार की अव्यवस्था, आपराधिक घटना अथवा औद्योगिक व्यवधान की स्थिति उत्पन्न न हो।

मानेसर नगर निगम क्षेत्र में पांच नवंबर से निर्माण-तोडफोड़ पर पूर्ण रोक

एजेंसी

गुरुग्राम। बढ़ते वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए एयर क्वालिटी मैनेजमेंट कमीशन(सीएक्यूएम) के आदेशानुसार नगर निगम मानेसर क्षेत्र में ग्रैप-2 की पालना शुरू कर दी गई है। पांच नवंबर से आगामी आदेशों तक निगम क्षेत्र में सभी प्रकार के निर्माण और तोडफोड़ कार्य पूरी तरह बंद रखे जाएंगे। नगर निगम आयुक्त प्रदीप सिंह की ओर से जारी आदेशों में कहा गया है कि जिन स्थानों पर अभी निर्माण कार्य चल रहें हैं, वहां पालना सुनिश्चित करने के लिए तुरंत आवश्यक इंतजाम किए जाएं। निर्माण सामग्री जैसे ईंट, रोड़ी, बजरी, रेता को पूरी तरह ढककर रखा जाए, ताकि हवा चलने पर धूल न उड़े। साइटों पर लगातार पानी का छिडकाव किया जाए। जरूरत के अनुसार एंटी स्मॉग गन का उपयोग करके भी पानी का छिडकाव किया जा सकता है। आयुक्त ने निर्देश किए कि निमार्णाधीन साइटों को हरी चादर या अन्य उपयुक्त कपड़े से ढका जाए। इससे निर्माण स्थल से उडऩे वाली धूल को काफी हद तक रोका जा सकेगा। आयुक्त ने आम नागरिकों, बिल्डरों, आरडब्ल्यूए, ठेकेदारों, औद्योगिक प्रतिष्ठानों और अन्य हितधारकों से अपील की है कि जनहित में सीएक्यूएम के आदेशों की पूरी ईमानदारी से पालना करें। उन्होंने कहा कि प्रदूषण केवल सरकार या सरकारी एजेंसियों की समस्या नहीं है, इससे बच्चों, बुजुर्गों, श्वास रोगियों सहित सभी जीवों के स्वास्थ्य पर अधिक असर पड़ता है। इसलिए आमजन की जिम्मेदारी बनती है कि वह धूल फैलाने वाली गतिविधियों से बचे और निर्माण साइटों पर नियमों की पालना सुनिश्चित करें। आयुक्त प्रदीप सिंह ने स्पष्ट किया कि आदेशों की अवहेलना करने वालों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। नियम तोडऩे वालों के चालान किए जाएंगे और उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई भी अमल में लाई जाएगी। निगम की टीमें निगम क्षेत्र में नियमित सर्वे कर रही है। सर्वे के दौरान निर्माण साइटों पर सामग्री ढकने, पानी का छिडकाव, हरी चादर और धूल नियंत्रण की जांच भी की जा रही है।

गुरुग्राम नगर निगम के कार्यकारी अभियंता के खिलाफ चार्जशीट जारी करने की सिफारिश

एजेंसी

गुरुग्राम। नगर निगम गुरुग्राम में रोड स्वीपिंग मशीनों के संचालन, रखरखाव एवं हैंडिंग-टेकिंग प्रक्रिया में सामने आई गंभीर अनियमितताओं को लेकर निगम प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। निगमायुक्त प्रदीप दहिया ने मामले की जांच रिपोर्ट के आधार पर कार्यकारी अभियंता सुंदर श्योराण के खिलाफ हरियाणा सिविल सेवा (दंड एवं अपील) नियम, 2016 के नियम-7 के तहत मेजर पेनल्टी कार्यवाही शुरू करने के लिए चार्जशीट जारी करने की सिफारिश की है। इस संबंध में 30 अक्टूबर 2026 को शहरी स्थानीय निकाय विभाग, हरियाणा के आयुक्त व सचिव को पत्र भेजा गया है। मामला नगर निगम की मैकेनिकल रोड स्वीपिंग मशीनों के संचालन एवं रखरखाव से संबंधित छह माह के दो अनुबंधों के दौरान मशीनों की हैंडिंग-टेकिंग प्रक्रिया में सामने आई अनियमितताओं से जुड़ा है। निगम



द्वारा 20 मशीनों के लिए 26 सितंबर 2026 को कायादेंश जारी किया गया था, जबकि पांच मशीनों के लिए 12 अगस्त 2026 को कायादेंश जारी किया गया था। संबंधित अवधि में कार्यकारी अभियंता सुंदर श्योराण इस कार्य के प्रभारी थे। निगमायुक्त द्वारा मामले की जांच अतिरिक्त निगमायुक्त यश जलुका को सौंपी गई थी। उन्होंने 27 अक्टूबर 2026 को जांच की तथा 28 अक्टूबर 2026 को अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की। जांच में संबंधित कार्यकारी अभियंता और एजेंसी के प्रतिनिधियों ने भी भाग लिया। जांच रिपोर्ट में मशीनों की हैंडिंग-टेकिंग प्रक्रिया में पर्याप्त तकनीकी सत्यापन नहीं किए जाने, मशीनों एवं उनके कलपुर्जों की वास्तविक स्थिति का उचित लिखित रिकॉर्ड और प्रमाणन उपलब्ध नहीं होने तथा निगम की संपत्तियों की सुरक्षा एवं जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त निगरानी नहीं किए जाने जैसी कमियां सामने आईं। रिपोर्ट में यह भी उल्लेख किया गया कि पूर्व एजेंसी जे.के. कॉन्ट्रैक्टर से मशीनों की मरम्मत लागत की वसूली तथा अनुबंध के तहत निर्धारित पेनल्टी लगाने के संबंध में प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित किए जाने का पर्याप्त प्रमाण नहीं मिला। जांच के दौरान नई एजेंसी राधा कृष्ण सोसाइटी लिमिटेड की जिम्मेदारियों की भी समीक्षा की गई। आरएफपी की शर्त संख्या 3.6 के अनुसार एजेंसी को बोली लगाने से पहले मशीनों का निरीक्षण करना तथा उन्हें जैसी हैं, जहां हैं के आधार पर स्वीकार करना था। वहीं शर्त संख्या 5(डी) के तहत बड़ी मरम्मत सात दिनों के भीतर पूरी की जानी थी। जांच रिपोर्ट में एजेंसी की ओर से निरीक्षण, सत्यापन और मशीनों में पाई गई कमियों को समय पर दूर करने के संबंध में भी कमियां दर्ज की गईं।

मेवात की बेटियों को हेल्थकेयर सेक्टर में मिलेगा रोजगार का अवसर

एजेंसी

नोएडा। मेवात की ग्रामीण बेटियों को कौशल प्रशिक्षण प्रदान कर उन्हें रोजगार से जोड़ने की दिशा में न्यू गुरुकुल एजुकेशन सोसायटी ने महत्वपूर्ण पहल की है। सोसायटी की ओर से संचालित डीडीयू-जीकेवाई 2.0 योजना के तहत सोमवार को नए प्रशिक्षण केंद्र का विधिवत शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में भानीराम मंगला ने मुख्य अतिथि तथा एनआरएलएम विभाग से अब्दुल असरी और वसीम ने विशिष्ट अतिथि के रूप में शिरकत की। अतिथियों ने रिबन काटकर प्रशिक्षण केंद्र का उद्घाटन किया। इस अवसर पर प्रशिक्षण प्राप्त कर रही छात्राओं को वेलकम किट भी वितरित की गई। संस्था के डायरेक्टर दिनेश खटाना ने बताया कि प्रशिक्षण केंद्र पर हेल्थकेयर सेक्टर के अंतर्गत जनरल ड्यूटी असिस्टेंट (जीडीए) के दो बैच शुरू किए गए हैं। योजना का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र की युवतियों को निःशुल्क कौशल प्रशिक्षण देकर आत्मनिर्भर बनाना और उन्हें रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराना है। प्रशिक्षण के दौरान छात्राओं को



रहने-खाने, अध्ययन सामग्री और अन्य जरूरी सुविधाएं भी निःशुल्क प्रदान की जाएंगी। प्रशिक्षण पूरा होने के बाद उन्हें अस्पतालों में व्यावहारिक प्रशिक्षण दिलाने के साथ-साथ रोजगार के लिए प्लेसमेंट में भी सहयोग किया जाएगा। मुख्य अतिथि भानीराम मंगला ने ग्रामीण विकास मंत्रालय एवं हरियाणा राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (एचएसआरएलएम) की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि यह योजना ग्रामीण और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की बेटियों के लिए आगे बढ़ने का सुनहरा अवसर है। हेल्थकेयर क्षेत्र में प्रशिक्षण हासिल कर बेटियां आत्मनिर्भर बन सकती हैं और अपने परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत करने में भी महत्वपूर्ण योगदान दे सकती हैं। विशिष्ट अतिथि अब्दुल असरी ने कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम मेवात की बेटियों के कौशल विकास और उन्हें रोजगार से जोड़ने में अहम भूमिका निभाएंगे। उन्होंने छात्राओं से पूरी लगन और मेहनत के साथ प्रशिक्षण प्राप्त करने का आह्वान किया। इस मौके पर संस्था के सचिव करतार खटाना, सेंटर मैनेजर दीपक खटाना, ट्रेनर जितेंद्र, नादिया, प्रवीन, सविता, सुनीता, जिलसाना, रेश्मा और शिवम सहित संस्था का समस्त स्टाफ तथा क्षेत्र के गणमान्य लोग मौजूद रहे।

विद्यार्थियों की रचनात्मक प्रतिभा व आत्मनिर्भरता की भावना सराहनीय : एसीयूटी अमितेज पांगती

एजेंसी

नोएडा। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय छपेड़ा में दिवाली हुनर मेला मंगलवार को हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम में एसीयूटी अमितेज पांगती ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। मेले में विद्यार्थियों ने अपनी रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए हस्तशिल्प उत्पादों, मिट्टी के दीयों, पर्यावरण अनुकूल सजावटी वस्तुओं, रंगोली डिजाइनों और गृह सज्जा सामग्री की आकर्षक प्रदर्शनी लगाई। मुख्य अतिथि ने विभिन्न स्टॉलों का अवलोकन कर विद्यार्थियों के हुनर और मेहनत की सराहना की। एसीयूटी अमितेज पांगती ने कहा कि विद्यार्थियों ने अपनी मेहनत, लगन और रचनात्मक सोच से आकर्षक उत्पाद तैयार किए हैं। इस प्रकार के आयोजन बच्चों में आत्मनिर्भरता, नवाचार और व्यावहारिक कौशल विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। शिक्षा का उद्देश्य केवल किताबी ज्ञान देना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों की छिपी प्रतिभा को निखारना और उन्हें जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में आगे बढ़ने के अवसर प्रदान करना भी है। उन्होंने कहा कि मेले में प्रदर्शित उत्पाद विद्यार्थियों की कलात्मक क्षमता के साथ भारतीय संस्कृति, परंपराओं और पर्यावरण संरक्षण के प्रति



उनकी जागरूकता को भी दशार्ते हैं। मेले के दौरान विद्यालय की छात्राओं ने स्वागत गीत, लोकनृत्य, कविताओं और लघु नाटिकाओं के माध्यम से सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों ने अतिथियों और अभिभावकों का मन मोह लिया। इससे पहले विद्यालय की प्राचार्या प्रोमिला कुमारी ने मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुए मेले के आयोजन के उद्देश्य और विभिन्न गतिविधियों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि विद्यार्थियों की प्रतिभा निखारने, उनमें आत्मनिर्भरता की भावना विकसित करने और व्यावहारिक शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए विद्यालय में समय-समय पर इस तरह के कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इसके अलावा प्रत्येक शनिवार को भी विद्यार्थियों के लिए विभिन्न सांस्कृतिक एवं रचनात्मक गतिविधियां करवाई जाती हैं।

माननीय विधायक श्री तेजपाल नागर जी के अथक प्रयासों से संभव हुई माननीय मुख्यमंत्री पूज्य श्री योगी आदित्यनाथ जी से इंडस्ट्रियल बिजनेस एसोसिएशन के प्रतिनिधिमंडल की महत्वपूर्ण एवं सार्थक भेंट

नोएडा। दादरी विधानसभा, गौतम बुद्ध नगर के लोकप्रिय विधायक माननीय श्री तेजपाल नागर जी के अथक प्रयासों, सतत मार्गदर्शन एवं सानिध्य में इंडस्ट्रियल बिजनेस एसोसिएशन (IBA), गौतम बुद्ध नगर के प्रतिनिधिमंडल को उत्तर प्रदेश के यशस्वी, कर्मठ, जनप्रिय एवं दूरदर्शी माननीय मुख्यमंत्री पूज्य श्री योगी आदित्यनाथ जी से लोक भवन, लखनऊ में सौजन्य भेंट एवं महत्वपूर्ण विचार-विमर्श का सौभाग्य प्राप्त हुआ। यह महत्वपूर्ण भेंट विधायक श्री तेजपाल नागर जी द्वारा उद्यमियों से किए गए अपने वचन को निभाते हुए संभव हो सकी। बैठक के दौरान माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी ने प्रतिनिधिमंडल के सभी सदस्यों का अत्यंत आत्मीयता, स्नेह एवं सम्मान के साथ स्वागत किया। उन्होंने प्रत्येक सदस्य का परिचय प्राप्त किया तथा सभी



उद्यमियों की बातों को गंभीरता एवं धैर्यपूर्वक सुना। प्रतिनिधिमंडल ने माननीय मुख्यमंत्री जी के दूरदर्शी नेतृत्व, सुशासन, सुदृढ़ कानून-व्यवस्था, निवेश-अनुकूल वातावरण, तीव्र गति से विकसित हो रहे औद्योगिक आधारभूत ढाँचे तथा उद्योग हितैषी नीतियों की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए उनका हार्दिक अभिनंदन एवं आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश आज देश के अग्रणी औद्योगिक एवं निवेश गंतव्यों में अपनी सशक्त पहचान स्थापित कर रहा है, जिससे प्रदेश के उद्यमियों में नया विश्वास और उत्साह उत्पन्न हुआ है। इस अवसर पर इंडस्ट्रियल बिजनेस एसोसिएशन (IBA), गौतम बुद्ध नगर के प्रतिनिधिमंडल ने प्रदेश के टरटए एवं औद्योगिक विकास से संबंधित 10 महत्वपूर्ण सुझावों का ज्ञापन माननीय मुख्यमंत्री जी को सौंपा। प्रतिनिधिमंडल की ओर से भगवान श्री बालाजी की पावन प्रतिमा भेंट कर उनका अभिनंदन किया गया। बैठक में वरिष्ठ उद्यमी डॉ. चंचल वार्ष्णेय सहित प्रतिनिधिमंडल के सभी सदस्य उपस्थित रहे। इंडस्ट्रियल बिजनेस एसोसिएशन (IBA) के अध्यक्ष अमित कुमार उपाध्याय ने ज्ञापन के प्रथम बिंदु पर विशेष रूप से विस्तार से चर्चा करते हुए 2000 वर्गमीटर तक के औद्योगिक भूखंडों की ई-निविदा (E-Bidding) व्यवस्था में व्यावहारिक सुधार का विषय प्रमुखता से रखा। उन्होंने कहा कि वर्तमान व्यवस्था छोटे एवं मध्यम उद्यमियों के लिए अनेक व्यावहारिक कठिनाइयाँ उत्पन्न कर रही है। इस विषय पर माननीय मुख्यमंत्री जी ने गंभीरतापूर्वक चर्चा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक एवं उचित दिशा-निर्देश प्रदान किए। इसके अतिरिक्त चौथे बिंदु पर औद्योगिक भूखंडों पर भवन निर्माण पूर्ण करने की समय-सीमा एवं विलंब शुल्क से संबंधित विषय पर भी विस्तार से चर्चा हुई। प्रतिनिधिमंडल ने व्यावहारिक राहत प्रदान करने का अनुरोध किया, जिस पर माननीय मुख्यमंत्री जी ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही हेतु निर्देशित किया। बैठक में ज्ञापन के अन्य महत्वपूर्ण बिंदुओं–औद्योगिक क्षेत्रों में आधुनिक फायर स्टेशन की स्थापना, एक्सपोर्ट प्रमोशन सेंटर, सामुदायिक केंद्र, वन टाइम सेटलमेंट (OTS) योजना, सिंगल विंडो प्रणाली को और प्रभावी बनाना, विश्वस्तरीय औद्योगिक आधारभूत संरचना का विकास, मुख्यमंत्री औद्योगिक संवाद समिति का गठन तथा मॉडल इंडस्ट्रियल एरिया विकसित करने–पर भी संक्षिप्त चर्चा हुई। इंडस्ट्रियल बिजनेस एसोसिएशन (क्हअ) के अध्यक्ष श्री अमित कुमार उपाध्याय ने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री पूज्य श्री योगी आदित्यनाथ जी से हुई यह भेंट अत्यंत आत्मीय, सकारात्मक एवं परिणामोन्मुख रही। माननीय मुख्यमंत्री जी ने प्रतिनिधिमंडल के सभी सदस्यों का जिस आत्मीयता से स्वागत किया और उद्योगों से जुड़े प्रत्येक सुझाव को गंभीरता से सुनते हुए सकारात्मक आश्वासन दिया, उससे प्रदेश के उद्यमियों का विश्वास और अधिक मजबूत हुआ है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि माननीय मुख्यमंत्री जी के कुशल नेतृत्व में उत्तर प्रदेश का औद्योगिक विकास नई ऊँचाइयों को प्राप्त करेगा तथा टरटए क्षेत्र और अधिक सशक्त बनेगा।

बुजुर्गों में ज्यादा होनी चाहिए विटामिन 'K' की मात्रा

जब आप विटामिन के बारे में सोचते हैं तो आप आपको पता होना चाहिए की आपके शरीर को स्वस्थ रखने के लिए विटामिन कितने जरूरी होते हैं। वैसे तो विटामिन सभी उम्र के लोगों के लिए जरूरी होते हैं क्योंकि वो हमारे शरीर को कई तरह से स्वस्थ रखने का काम करते है।

विटिमिन K उन लोगों के लिए ज्यादा जरूरी हो जाते हैं जो वृद्ध उम्र में होते हैं। बोस्टन की टफ्ट यूनिवर्सिटी में विटामिन K लैब के डायरेक्टर सरह बूथ के मुताबिक, जो लोग वृद्ध उम्र में होते हैं उनमें काफी कम मात्रा में विटामिन पाया जाता है। जो कि उनको स्वस्थ रहने के लिए काफी जरूरी है। उस उम्र के लोगों को विटामिन च की पूर्ति करनी चाहिए जिससे की उनका शरीर स्वस्थ रहे।

एक अध्ययन के मुताबिक, जिसमें सरह और उनके साथी मौजूद थे उसमें जो वृद्ध लोगों में कम ब्लड लेवल था उनमें विटामिन की कमी थी जिसके कारण वह फिजिकल एक्टिविटी में भी एक्टिव नहीं थे। जबकि जिनका ब्लड लेवल ज्यादा था उनमें ऐसा नहीं था।

2015 के एक अध्ययन में 65 साल और उससे ज्यादा उम्र के लोग जो ज्यादा विटामिन K की पूर्ति करते थे उनकी सेहत काफी अच्छी थी। लेकिन जिन लोगों में विटामिन K की कमी थी वो उतने स्वस्थ नहीं थे जो कि जर्नल न्यूट्रीएंट्स में प्रकाशित हुई थी।



विटामिन 'के' क्यों है जरूरी

विटामिन K हमारी हड्डियों की मजबूती के लिए बहुत जरूरी है। अगर आपके शरीर में विटामिन 'के' की कमी है, तो चोट लगने या कटने पर बहुत ज्यादा ब्लीडिंग होती है। क्योंकि विटामिन 'के' ब्लड क्लॉटिंग में मदद करता है। अगर इस विटामिन की शरीर में ज्यादा कमी हो जाए, तो कई बार आपके शरीर के अंगों में अंदरूनी ब्लीडिंग हो सकती है, जो बहुत खतरनाक है। शरीर की हड्डियों में कैल्शियम की मात्रा को पहुँचाने में सहायक होता है। जो रक्त के स्त्राव के समय रक्त को थक्का बनाकर रोकने के लिए आवश्यक होता है। विटामिन के शरीर में रक्त के संचार को नियंत्रित रखता है। इससे ब्लड प्रेशर नियंत्रित रहता है।

गर्भवती महिलाओं में विटामिन 'के' भ्रूण के विकास के लिए जरूरी होता है। इसके अलावा भी ये शरीर की कई समस्याओं से बचाव के लिए जरूरी होते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि विटामिन 'के' आपको किन आहारों से मिलता है। आइए हम आपको बताते हैं ऐसी 5 सब्जियां, जिनसे आपको मिलता है भरपूर विटामिन 'के'।

विटामिन 'के' का मुख्य स्त्रोत हरी सब्जियां होती है, जैसे – सरसों का साग,बन्दागोभी, मूली, चुकंदर की पत्तियों में, पालक, गेहूं और फल।



महिलाओं में होने वाली दूसरी सबसे बड़ी बीमारी है

सर्वाइकल कैंसर

भारत में स्तन कैंसर के बाद महिलाओं में होने वाली दूसरी बड़ी बीमारी है सर्वाइकल कैंसर। एचजीसी कैंसर सेंटर की सितंबर 2019 की रिपोर्ट के अनुसार, 53 में से 1 भारतीय महिला को जीवनकाल में यह बीमारी होती है। गर्भाशय में कोशिकाओं (सेल्स) की अनियमित वृद्धि के कारण यह कैंसर होता है। समय रहते इसका उपचार किया जाए तो बचा जा सकता है, लेकिन सबसे बड़ी समस्या है जागरुकता का अभाव।

भारत ही नहीं कई देशों में यही स्थिति है। जैसे- ऑस्ट्रेलियन इंस्टिट्यूट ऑफ हेल्थ एंड वेलफेयर की रिपोर्ट के अनुसार, वहां 45 फीसदी महिलाओं को इस बीमारी की मूलभूत जानकारी नहीं है। बहरहाल, सबसे अच्छी बात यह है कि अन्य प्रकार के कैंसर को नहीं रोका जा सकता, लेकिन सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम संभव है। ताजा खबर यह है कि अक्टूबर 2019 में ऑस्ट्रेलिया की क्वींसलैंड यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने इस कैंसर के इलाज का दावा किया है। जिन एडिटिंग टेक्नोलॉजी का चूहों पर सफल परीक्षण किया है।

सर्वाइकल कैंसर के लक्षण

- नेशनल सेंटर ऑफ बायोटेक्नोलॉजी इंफोर्मेशन (एनसीबीआई) के अनुसार, स्त्री रोग संबंधी लक्षण ही सर्वाइकल कैंसर की शुरुआत होते हैं। इसलिए इन्हें हल्के में न लेते हुए डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए।
- अगर व्हाइट डिस्चार्ज की शिकायत है तो इसे हल्के में न लें। वेजाइना से बदबूदार पानी का रिसाव होना सर्वाइकल कैंसर का एक लक्षण है। तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।
- पेट के निचले भाग में दर्द हो और इसके साथ ही पीरियड्स के बीच में स्पॉटिंग या संबंध बनाते समय ब्लीडिंग हो तो चिंता का विषय है।
- पेशाब करते समय दर्द होने का मतलब है कि कैंसर यूरिन थैली तक पहुंच गया है। ऐसे में तुरंत डॉक्टर से जांच करवाना चाहिए।

बरतें ये तीन बड़ी सावधानियां

- शरीर की साफ-सफाई का खास ध्यान रखें। थोड़ी-सी सावधानी आपको इस कैंसर से बचा सकती है। सर्वाइकल कैंसर बच्चेदानी के भीतरी व बाहरी किसी भी सतह पर हो सकता है।
- यह कैंसर असुरक्षित यौन संबंध बनाने से भी फैलता है। इसलिए पार्टनर से संबंध बनाते समय सेफ्टी का ध्यान रखें।
- अगर महिलाएं नियमित रूप से अपना पैप टेस्ट करवाती हैं तो आप पूरी तरह से इस बीमारी से बच सकती हैं।

संभव है सर्वाइकल कैंसर का इलाज

सर्वाइकल कैंसर से निजात पाने के लिए वेक्सीनेशन, सर्जरी और कीमोथेरेपी का सहारा लेना पड़ता है। इस बीमारी से बचने के लिए 30 साल से कम उम्र की महिलाओं को वैक्सीन दी जाती लेकिन इससे भी केवल 70 फीसदी ही बचाव किया जा सकता है।

आसान है सर्वाइकल कैंसर की जांच

स्त्रीरोग संबंधी आम बीमारियां दवा लेने से भी दूर नहीं हो रही है तो सर्वाइकल कैंसर की जांच जरूरी हो जाती है। यह जांच है पैप स्मीयर टेस्ट। नेशनल इंस्टिट्यूट बायो-टेक्नोलॉजी इन्फोर्मेशन की रिपोर्ट के अनुसार, इस कैंसर का पता लगाने के लिए पैप स्मीयर टेस्ट या पैप टेस्ट की सलाह दी जाती है। महज 10 से 20 मिनट में होने वाले इस टेस्ट की रिपोर्ट सामान्य, अस्पष्ट या असामान्य आ सकती है।

सामान्य : यदि पैप टेस्ट का परिणाम सामान्य आता है तो रिपोर्ट को 'निगेटिव' बताया जाता है। इसका मतलब है कि टेस्ट में कैंसर के कोई लक्षण नहीं है।

अस्पष्ट: टेस्ट रिजल्ट अस्पष्ट भी आ सकते हैं। रिजल्ट अस्पष्ट आने का मतलब है कि आपकी ग्रीवा कोशिकाएं ऐसी दिखती हैं जैसे वे असामान्य हो सकती हैं। यह स्पष्ट नहीं है कि यह एचपीवी से संबंधित है या नहीं। यह गर्भावस्था, रजोनिवृत्ति या संक्रमण जैसे बदलावों से संबंधित हो सकता है। एचपीवी टेस्ट यह पता लगाने में मदद कर सकता है कि क्या आपके सेल में परिवर्तन एचपीवी से संबंधित हैं।

असामान्य : यदि पैप टेस्ट असामान्य है तो 'पॉजिटिव रिजल्ट' कहा जाता है। रिजल्ट पॉजिटिव आने का यह मतलब नहीं है कि आपको कैंसर ही है। इसका मतलब यह है कि गर्भ में कुछ असामान्य कोशिकाएं है जो आगे चलकर कैंसर के रूप में विकसित हो सकती है। गर्भाशय ग्रीवा पर असामान्य परिवर्तन एचपीवी द्वारा हो सकता है। परिवर्तन मामूली (कम-ग्रेड) या गंभीर (उच्च-ग्रेड) हो सकते हैं। लेकिन यदि उन कोशिकाओं को हटाया नहीं जाता है तो ये गंभीर बदलाव कैंसर में बदल सकती हैं।

पैप टेस्ट की रिपोर्ट के बाद कुछ मामलों में डॉक्टर अन्य जांचें भी करवाते हैं। कोल्पोस्कोपी के जरिए योनिमार्ग और बच्चेदानी के मुख में होने वाले परिवर्तन या बदलाव की जांच एक यंत्र द्वारा की जाती है। बायोप्सी में बच्चेदानी के मुख से छोटा-सा टुकड़ा लिया जाता है और लैब में कैंसर के परिवर्तन देखे जाते है। यह प्रक्रिया बाह्य रोगी विभाग में ही सम्पन्न की जाती है।

कैंसर, कब्ज, गठिया में फायदा देते हैं काली सरसों के बीज

काली सरसों एक पौधा है, जिसके फूल पीले रंग के होते हैं। सरसों के पौधे की लगभग 40 विभिन्न प्रजातियां हैं। सरसों के बीज से तेल निकाला जाता है, जिसका उपयोग भोजन बनाने, औषधि के रूप में और दवा बनाने के लिए किया जाता है। काली सरसों के बीज को भोजन में एक सामग्री के तौर पर इस्तेमाल किया जाता है। काली सरसों को आमतौर पर सब्जी या दाल में तड़का देने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। साउथ इंडियन फूड में काले सरसो का इस्तेमाल बहुतायत किया जाता है। सरसों के बीज से तेल बाकी कुकिंग ऑयल से ज्यादा फायदेमंद होता है। इसमें अच्छे पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो छोटी-छोटी परेशानियों से आपको दूर रखते हैं।

खाद्य पदार्थों में भी, काली सरसों के बीज का उपयोग मसाले के रूप में और सरसों के मसाला स्वाद के लिए किया जाता है। सरसों का मसाला बनाने के लिए आमतौर पर तीन अलग-अलग प्रकारों का उपयोग किया जाता है। काली सरसों (ब्रैसिका निग्रा) सबसे तीखी होती है। सफेद सरसों (ब्रैसिका अल्बा) सबसे सौम्य है और पारंपरिक अमेरिकी पीली सरसों बनाने के लिए उपयोग की जाती है। ब्राउन सरसों (ब्रैसिका जंकिया) गहरे पीले रंग की होती है, इसमें तीखा स्वाद होता है, और इसे डिजोन सरसों बनाने के लिए उपयोग किया जाता है।

बीमारियों को दूर भगाते हैं काली सरसों के बीज



काली सरसों का तेल आम सर्दी, जोड़ों और मांसपेशियों (गठिया) के दर्द, और गठिया के लिए उपयोग किया जाता है। इसके अलावा काली सरसों के बीज का उपयोग उल्टी पैदा करने, मूत्र उत्पादन में वृद्धि और भूख बढ़ाने के लिए पानी की अवधारण (एडिमा) से राहत के लिए किया जाता है।

कुछ लोग पिसी हुई काली सरसों को गर्म पानी में मिलाकर पेस्ट बनाते हैं। वे पेस्ट को कपड़े में पैक करते हैं और कपड़े को सीधे त्वचा पर सरसों के प्लास्टर के रूप में लगाते हैं। इस तैयारी का उपयोग फेफड़े (फुफ्फुसीय), गठिया, पीठ के निचले हिस्से के दर्द के निमोनिया, दर्द और सूजन के इलाज के लिए किया जाता है।

काली सरसों के बीज के लाभ

कैंसर में है लाभकारी: सरसों के बीज ग्लूकोसाइनोलेट्स और मायरोसिनस जैसे यौगिकों से भरे होते हैं, जो शरीर में कैंसर पैदा करने वाली कोशिकाओं की वृद्धि को रोकते हैं। जर्नल ह्यूमन एंड एक्सपेरिमेंटल टॉक्सिकोलॉजी में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार, छोटे बीजों में कीमोप्रेंटिव क्षमता हो सकती है और कार्सिनोजेन्स के प्रभाव से बचाव हो सकता है।

पाचन को सुदृढ़ करता है: सरसों के बीज आपके पाचन तंत्र के लिए भी उत्कृष्ट हैं। अगर आप अपच की समस्या से पीड़ित हैं तो सरसों के बीज इससे छुटकारा पाने में मदद कर सकते हैं। बीज फाइबर से भरे होते हैं, जो आसान मल त्याग में मदद करता है और शरीर की पाचन शक्ति को बढ़ाता है।

हृदय रोगों से बचाता है: सरसों का तेल आमतौर पर हर भारतीय घर में इस्तेमाल किया जाता है और यह हृदय संबंधी समस्याओं से पीड़ित लोगों के लिए काफी फायदेमंद है। यह आपके कोलेस्ट्रॉल के स्तर को प्रबंधित करने में मदद करता है और रक्त में खराब कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करता है, जो आपके हृदय स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है।

हड्डियों और दांतों को मजबूत बनाते हैं: सरसों के बीज आपकी हड्डियों के लिए भी अच्छे होते हैं क्योंकि वे सेलेनियम नामक खनिज से भरे होते हैं, जो आपकी हड्डियों को मजबूत बनाता है। वे आपके नाखूनों, बालों और दांतों को मजबूत बनाने में भी मदद करते हैं। सरसों के बीज में एंटीऑक्सिडेंट और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं जो मसूड़ों, हड्डियों और दांतों में दर्द से राहत दिलाने में मदद करते हैं।

त्वचा की समस्या का है समाधान: हर मौसम में त्वचा को हाइड्रेट रखना महत्वपूर्ण है और सरसों के बीज आपकी इस में मदद कर सकते हैं। बीज आपकी त्वचा को हाइड्रेट करते हैं, सभी अशुद्धियों को दूर करते हैं और आपकी त्वचा को मुंहासों से बचाते हैं। बीज एंटी इंफ्लामेट्री गुणों के साथ पैक किए जाते हैं जो शरीर में सूजन को कम कर सकते हैं। आप सरसों के तेल को त्वचा पर मालिश कर इसके फायदे ले सकते हैं।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो आ

अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम वाला बन रहा है। शुभांक-1-5-7

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। शुभांक-2-5-7

मिथुन — का की कू घ ङ छ के को हा

कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। शुभांक-3-6-7

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो

परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शुभांक-4-3-6

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे

व्यर्थ की भाग-दौड़ से बचा जाए तो अच्छा है। दुर्लभ स्वप्न साकार होंगे। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभांक-4-6-9

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। शुभांक-3-5-6

तुला — रा री रु रे रो ता ती तू ते

आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। कामकाज की अधिकता रहेगी। पारिवारिक विवाद टालें। शुभांक-2-6-7

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो य यी यू

व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। बातचीत में संयम बरतें। व्यावसायिक उपक्रम में उलटफेर की शुरूआत हो सकती है। शुभांक-1-5-7

धनु — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

खान-पान में विशेष सावधानी बरतें। मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। वाहन चालन में सावधानी बरतें। बातचीत में संयम बरतें। आय के योग बनेगें। शुभांक-2-4-5

मकर — भे जा जी खी खू खे खो गा गी

मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। परिवार के साथ मनोरांजनिक स्थल की यात्रा होगी। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। भविष्य की योजनाओं पर विचार विमर्श होगा। अपनों का सहयोग होगा। अपने आपको अधिक सक्रिय पायेगें। शुभांक-5-7-9

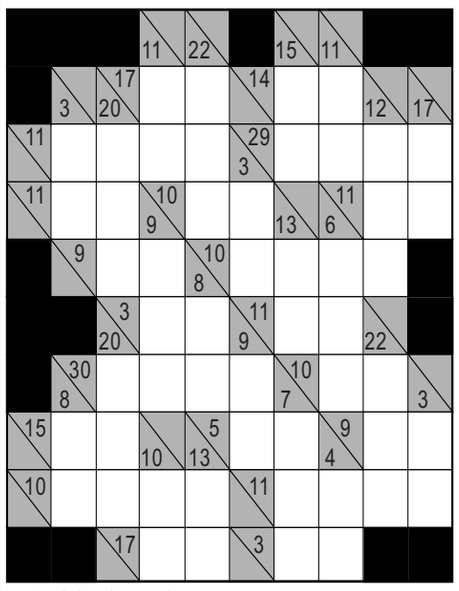
कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा

शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताए भी बढ़ेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। शुभांक-3-6-9

मीन — दी दू थ झ ञ दे दो चा ची

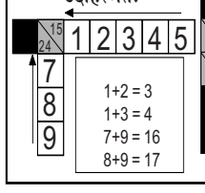
आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। शुभांक-3-5-6

काकुरो पहेली - 4060

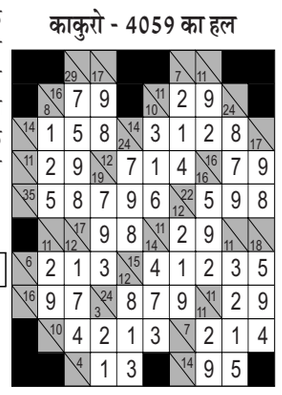


खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः



काकुरो - 4059 का हल



लॉफिंग ज़ोन

न्यायाधीश (एक बूढ़े चोर से)- तुम्हारी इतनी हिम्मत कि तुमने दिनदहाड़े चोरी की? तुम्हे पकड़े जाने जरा भी डर नहीं लगा।

कटघरे में खड़ा बूढ़ा चोर बोला- क्या करूँ सरकार! आजकल मुझे रात में बहुत नींद आती है, इसलिए मैंने दिन में दिनदहाड़े चोरी कर ली।

□ □ □

पुलिस इंस्पेक्टर (रमन से)- नालायक...! तुम इते गिरे हुए हो कि केवल पाँच सौ रुपए के लिए इस बुजुर्ग व्यक्ति का सिर फोड़ दिया?

रमन हवलदार- और क्या करता साहब... मजबूरी है! ऐसे ही तो बूँद-बूँद से घड़ा भरता है हुजूर।

□ □ □

न्यूक्लियर फैमिली में रहने वाला चंपू अपने पिता से बोलता है, पापा- पापा मैं भी अपनी शादी में आइटम गर्ल को डाँस करवाऊँगा।

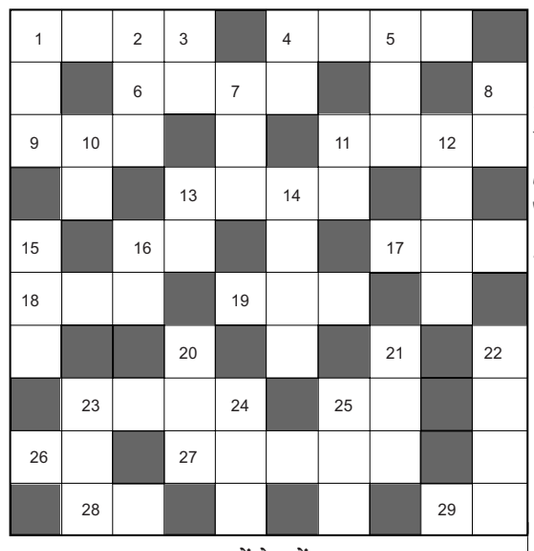
पापा- बेवकूफ क्या बकता है, यह तमाशा किस गधे की शादी में देख लिया?

चंपू- आपकी शादी के वीडियो में।

पापा- अबे नालायक अपनी मौसी और बुआ को नहीं पहचानता!!

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 4060



बायें से दायें:-

१. शाहरूख, अपूर्व अग्निहोत्री, महिमा की 'किसी रोज तुम से' गीत वाली फिल्म-४
४. 'हम बेवफा हरगिज न थे' गीत वाली धर्मेन्द्र, जीनत अमान की फिल्म-४
६. विनोद मेहरा, रीना राय की 'दिल का तोहफा लाई हूँ' गीत वाली फिल्म-४
९. 'मुझे दुनियावलों शरबी' गीत वाली दिलीपकुमार, वैजयंती की फिल्म-३
११. अजय, सैफ, विवेक, करीना, बिपाशा की 'बीड़ी जलई' गीतवाली फिल्म-४
१३. 'आ ये हसीना रात' गीत वाली जीतेंद्र, आदित्य, एकता की फिल्म-४
१६. अक्षयकुमार, रवीना की 'क्यूं आँचल हमारा गिरा जा' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'आँखों से दिल में' गीत वाली फराज खान, सुमन रंगनाथन की फिल्म-३
१८. दिलीपकुमार, सायरा की 'सारे शहर में आपसा कोई' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'रात दुल्हन बनी चाँद दूल्हा बना' गीत वाली जीतेंद्र, बिस्वजीत, माला सिन्हा, मुमताज की फिल्म-३
२३. धर्मेन्द्र, संजीव, शर्मिला की 'जिंदगी है क्या बोलो' गीत वाली फिल्म-४
२५. 'दिल गम से' गीत वाली विजय, सुरैया की फिल्म जो सुरैया की अंतिम फिल्म थी-२
२६. संजयदत्त, उर्मिला की 'ओ भंवरे देखो हम दीवानों को' गीत वाली फिल्म-२
२७. आमिर, ममता कुलकर्णी की 'बाजी' में मुख्यमंत्री विश्वासराव चौधरी की भूमिका किसने की थी-२,३
२८. सनी, सुनील शेट्टी, शिल्पा की 'कोई परी आती नहीं' गीत वाली फिल्म-२
२९. फिल्म 'सात रंग के सपने' में अरविंद स्वामी के साथ नायिका कौन थी-२

ऊपर से नीचे:-

१. अमिताभ, शाहरूख, सुनील, रानी, जूही की फिल्म-३
२. 'दुनिया में ऐसा कहाँ सबका नसीब' गीत वाली फिल्म-३
३. नसीरूद्दीनशाह, पूजा भट्ट की फिल्म-२
४. 'आते जाते हुए मैं सब पे नजर' गीत वाली फिल्म-२
५. इंद्रकुमार, आयशा जुल्का की फिल्म-३
७. आर्यन वैद, सोनाली कुलकर्णी की मकरंद देशपांडे निर्देशित फिल्म-३
८. सुनीलदत्त, आशा पारेख की फिल्म-२
१०. 'जादू तेरी नजर' गीत वाली फिल्म-२
११. अतीन भल्ला, संदली सिन्हा की फिल्म-२
१२. 'लम्हा लम्हा जिंदगी है' गीत वाली फिल्म-४
१३. मोहित अहलावत, निशा की फिल्म-२
१४. 'ये वादा करो चाँद' गीत वाली फिल्म-४
१५. मनोज बाजपेयी, रेखा, करिश्मा की फिल्म-३
१६. 'हम दर्द के मारों का इतना ही' गीत वाली फिल्म-२
२०. धर्मेन्द्र, संजीवकुमार, आशा की फिल्म-३
२१. 'जागे जागे नैनों में' गीत वाली फिल्म-३
२२. आफताब शिवदासानी, अमीषा पटेल, एशा देओल की फिल्म-४
२३. 'जब जब प्यार पे पहरा हुआ' गीत वाली फिल्म-३
२४. जीतेंद्र, श्रीदेवी की फिल्म-३
२५. 'इंतहा हो गई इंतजार की' गीत वाली अमिताभ, जया प्रदा की फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 4059

को	ह	रा		आँ	धी		आ	नं	द
ह		म		खें		जो	र	दा	र
रा	जा	जा	नी		ध	र	ती		मि
म		ने		क	र्मा			सा	या
	रा		आ		त्मा		सा	ज	न
रा	स्ते	प्या	र	के		श		औ	
	का		जू		मे	रा	ध	र	म
स	प	ने		दु	ला	रा		आ	ह
	त्थ		प्या				स	वा	ल
प्या	र	का	सा	या		सू	र	ज	

सूडोकु -4060

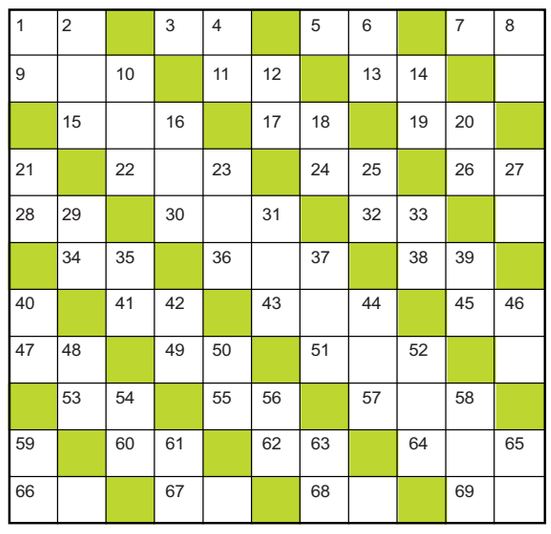
9		2		4	1	7		
1						6		
5	7	3	2				4	
				9	4	8		
4		7				9		6
		5	8	3				
	3				6	5	9	1
		6						7
		9	1	8		2		4

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -4059 का हल

5	4	9	1	8	3	2	6	7
1	2	6	4	9	7	3	5	8
3	8	7	5	2	6	1	4	9
8	7	1	3	4	2	6	9	5
9	5	3	6	1	8	7	2	4
2	6	4	7	5	9	8	1	3
4	3	5	2	7	1	9	8	6
6	9	2	8	3	4	5	7	1
7	1	8	9	6	5	4	3	2

शब्द पहेली - 4060

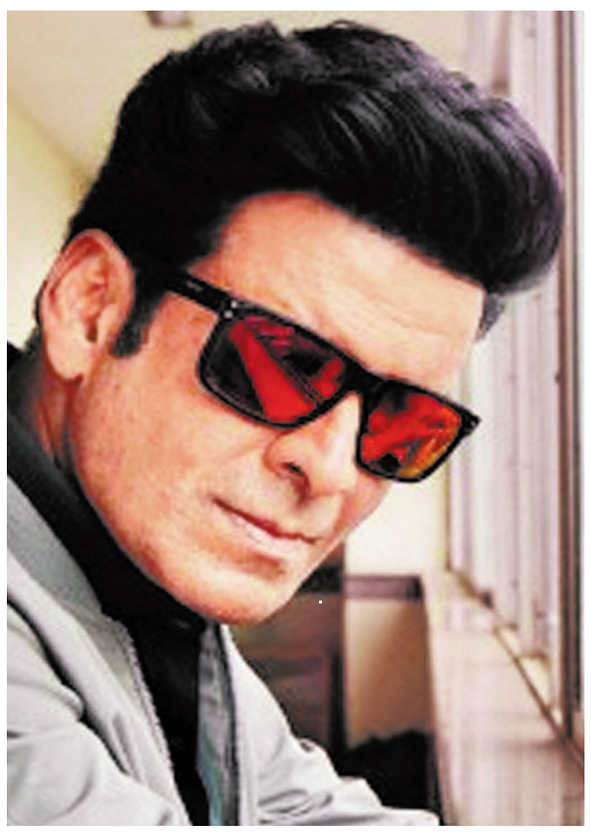


बाएँ से दाएँ
1.होठ,अधर-2
3.बड़ी सवारी गाड़ी-2
5.डोर-2
7.हरे रंग का-2
9.शक,संदेह-3
11.विस्फोटक -2
13.बड़ी नाली-2
15.नमस्कार,नमस्ते-3
17.प्राण-2
19.लक्ष्मी,कमला-2
22.बल,दम-3
24.ठाठ-बाट-2
26.पिता-2
28.कसर-2
30.कुमारी,तरुणी-3
32.जी,चित-2
34.नाखून-2
36.पढ़ने वाला-3
38.उद्देश्य-2
41.मोटा आटा-2
43.नामित-3
45.नर का विलोम-2
47.उर्वरक-2
49.भीगा हुआ-2
51.गिरवी वस्तु-3
53.मनमौजी-2
55.सम्मान-2
57.ले जाने वाला-3
60.आनंद,मजा-2
62.दोस्त,सखा-2
64.निर्माण-3
66.सदैव,हमेशा-2
67.नेत्र,नयन-2
68.आकाश,गगन-2
69.लाख,गोंद-2

ऊपर से नीचे
1.प्यार (अंग्रेजी-2)
2.भगिनी,दीदी-3
4.सभी-2
6.गीत गायन-2
8.मार्ग,रास्ता-2
10.मां का दुलार-3
12.आनंद,रस-2
14.थूक,लेस-2
16.अनुकृति-3
18.सरुर,खुमार-2
20.मां,मदर-2
21.घ्राणेंद्रिय-2
23.चरण तल-3
25.भीगा हुआ-2
27.देह,काया-2
29.मछली-2
31.नृत्य करना-3
33.टौंटी,नलका-2
35.गधा,गर्दभ-2
37.कटि-3
39.माफी-2
40.दोस्त,मित्र-2
42.वायु,गैस-2
44.कॉफी-3
46.मूल्य-2
48.जोर,बल-2
50.लक्ष्मी-2
52.जलमार्ग-3
54.स्थिति-2
56.नवीन-2
58.कूड़ा-3
59.नौकर-2
61.सत्य-2
63.दौड़ना-2
65.गर्भनाड़ी-2

शब्द पहेली -4059 का हल

	ल	ज्ज	त	दा	र		क	र	त	ब
म	त		क		ज	टि	ल		वा	र
न		क	रा	मा	त		म	य		ग
भा	गी	दा	र		प	ल		म	द	द
व		चा		अ	ट	ल			रा	
न	ज	र	बं	द		का	न	भ	र	ना
	भी			र	न	र		इ		म
अ	न	ल		क	र		अ	क	ब	र
म		ता	क		क	त	र	ना		ख
रू	ह		ह	ल	वा		दा		आ	ना
द	म	दा	र		स	न	स	ना	ना	



फिल्म इंडस्ट्री कोई परिवार नहीं, ये भ्रम है

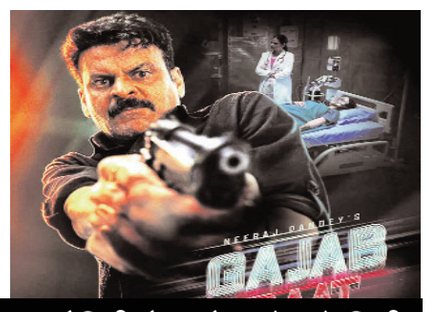
मनोज बाजपेयी इन दिनों बॉलीवुड से कुछ ज्यादा ही नाराज चल रहे हैं। चार बार नेशनल फिल्म अवॉर्ड जीत चुके मनोज की पिछली दो फिल्में 'लास्ट मैन इन टावर' और 'गर्वनर' बॉक्स ऑफिस पर डिजास्टर साबित हुई हैं। इन दिनों वह नेटफ्लिक्स पर रिलीज अपनी फिल्म 'गजब रात' को लेकर चर्चा में हैं। हालांकि, इस फिल्म को भी बहुत अच्छे रिव्यूज नहीं मिले हैं। इस बीच 57 साल के एक्टर ने फिल्म इंडस्ट्री को 'एक बड़ा परिवार' मानने वाली आम धारणा को चुनौती दी है। 'गजब रात' के प्रमोशन के दौरान मनोज बाजपेयी ने कहा कि 'यह इंडस्ट्री बकवास है' और यहां किसी को किसी की कोई कद्र नहीं है।

बातचीत में मनोज बाजपेयी ने कहा, 'अगर आप मुझे एक उदाहरण मानना चाहें, तो मैं एक उदाहरण हूं। मैं फिल्म इंडस्ट्री से हूं, फिर भी मुझे नहीं लगता कि मैं इसका हिस्सा हूं। जरूरी नहीं कि आप बांद्रा से ही हों। आप मलाड में रहकर भी एक्टिंग कर सकते हैं। अहम बात यह है कि आप जो भी करें, वह अच्छा हो। बाकी बातों से कोई फर्क नहीं पड़ता। असल में कोई 'परिवार' या 'बिरादरी' जैसी चीज नहीं होती। सबसे बड़ा भ्रम यही है कि यह इंडस्ट्री एक परिवार है। यह किसी परिवार की तरह नहीं है। सबके ऑफिस अलग-अलग हैं, कोई किसी के साथ पार्टी नहीं करता और अगर किसी को किसी की फिल्म पसंद आ जाए, तो भी कोई फोन करके तारीफ नहीं करता।'

मनोज बाजपेयी ने दो टूक कहा कि इंडस्ट्री में कोई भी एक्टर किसी दूसरे की सफलता देखकर खुश नहीं होता। कोई भी डायरेक्टर खुद को दूसरे निर्देशक से कम नहीं समझता। कोई भी प्रोडक्शन हाउस किसी दूसरे प्रोडक्शन हाउस को ज्यादा पैसे कमाते देखकर खुश नहीं होता। इसलिए, इन सब बातों को अपने दिमाग से निकाल देना चाहिए।

साल 2024 में ओटीटी पर रिलीज 'गुलमोहर' के लिए नेशनल अवॉर्ड पाने वाले मनोज बाजपेयी कहते हैं, 'आप अकेले आए हैं और जब आप जाएंगे, तब भी अकेले ही जाएंगे। वैसे, इस तरह की सलाह देने के लिए मैं शायद सही इंसान नहीं हूं। मैं आपको पहले ही यह डिस्क्लेमर दे देता हूं, क्योंकि मैं किसी को भी इस तरह से नहीं मानता। मैं अपना काम करता हूं, अपने पैसे लेता हूं और घर वापस आ जाता हूं।'

राज एंड डीके की सीरीज 'द फैमिली मैन' फेम एक्टर ने आगे काम के प्रति अनुशासन के महत्व पर जोर दिया। कहा कि अनुशासन लोगों को उनके करियर में आने वाली चुनौतियों के लिए तैयार रहने में मदद करता है। लेकिन साथ ही कहते हैं, 'ऐसे कई अभिनेता हैं जो अनुशासित नहीं हैं, फिर भी उनकी तारीफ होती है और वे अच्छा पैसा भी कमाते हैं। मैं किसी और की बात नहीं कर रहा हूं। मैं अपनी बात कर रहा हूं, मुझे अनुशासित रहना पसंद है।



अब सेट पर बात नहीं करते एक्टर्स, सब वैनिटी वैन और फोन में बिजी

जब मनोज बाजपेयी से पूछा गया कि उन्हें फिल्म इंडस्ट्री में सबसे ज्यादा क्या नापसंद है, तो उन्होंने सेट पर होने वाले असमान व्यवहार का जिक्र किया। पुराने दौर को याद करते हुए कहा कि उस जमाने में एक्टर्स शूटिंग के बीच एक-दूसरे के साथ समय बिताते थे, लेकिन अब सोशल मीडिया और वैनिटी वैन में रहते हैं। वह कहते हैं, 'मैं बहुत परेशान रहने वाला इंसान हूं। कई चीजों को लेकर मेरे मन में काफी उलझनें और बेचैनी रहती है। पहली बात, हर सेट पर बराबरी होनी चाहिए। सबको एक जैसा खाना मिलना चाहिए। दूसरी बात, कलाकारों को एक-दूसरे के साथ बैठकर बातचीत करनी चाहिए। पहले के समय में, कलाकार साथ बैठकर बातें करते थे। अगर उनका शेड्यूल इजाजत देता, तो वे शाम को भी मिलते थे, खूब गपशप करते थे और मजे करते थे। लेकिन अब, हर कलाकार अपनी वैन में चला जाता है और बस सोशल मीडिया पर लगा रहता है।'



ऑस्कर की रेस में भारतीय फिल्म का साथ देंगी प्रियंका चोपड़ा, 'वी वर हीअर' का थामा हाथ

फिल्ममेकर प्रणव भसीन की फिल्म 'वी वर हीअर' को अब ऑस्कर की दौड़ के लिए तैयार किया जा रहा है। उनकी मदद के लिए अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा ने हाथ आगे बढ़ाया है।

प्रियंका चोपड़ा का फिल्म से क्या है कनेक्शन

प्रियंका चोपड़ा एक बार फिर भारतीय सिनेमा को इंटरनेशनल लेवल पर पहचान दिलाने की दिशा में कदम बढ़ाती नजर आ रही हैं। प्रणव भसीन के निर्देशन और लेखन में बनी शॉर्ट फिल्म 'वी वर हीअर' को अब तक 80 से ज्यादा अंतरराष्ट्रीय फिल्म फेस्टिवल में दिखाया जा चुका है। फिल्म से जुड़ने को लेकर प्रियंका चोपड़ा ने अपनी खुशी जाहिर की है। उन्होंने एक प्रेस नोट में कहा, 'यह फिल्म एक ऐसे विषय को नए और मजेदार अंदाज में पेश करती है, जो आज के समय में काफी प्रासांगिक है। एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर के तौर पर इससे जुड़ने का मौका मिलते ही मैंने हां कर दी। मैं इस क्रिएटिव टीम का साथ देना चाहती हूं, ताकि उनकी शानदार और अनोखी सोच को वह पहचान मिल सके जिसकी वह हकदार है।'

20 से ज्यादा अवॉर्ड जीत चुकी है फिल्म

'वी वर हीअर' ने अपने फेस्टिवल सफर में कई बड़े अवॉर्ड जीते हैं। फिल्म को साउथ बाय साउथवेस्ट फिल्म फेस्टिवल में ऑडियंस अवॉर्ड फॉर बेस्ट नैरेटिव शॉर्ट और रेडब्रेस्ट अनहिडन अवॉर्ड मिला। इसके अलावा पाम स्प्रिंग्स इंटरनेशनल शॉर्टफेस्ट में फिल्म ने 15 मिनट से कम की बेस्ट लाइव-एक्शन शॉर्ट फिल्म और बेस्ट कॉमेडी शॉर्ट का अवॉर्ड जीता। वहीं, क्लेरमॉन्ट-फेरांड इंटरनेशनल शॉर्ट फिल्म फेस्टिवल में इसे कैनाल प्लस प्राइज मिला था। इसी फिल्म फेस्टिवल में इसका वर्ल्ड प्रीमियर भी हुआ था। पाम स्प्रिंग्स में मिले अवॉर्ड की वजह से ही फिल्म ऑस्कर के लिए क्वालिफाई कर पाई।





रामायण में सीता बनने के लिए साई पल्लवी ने लिया मेडिटेशन का सहारा

अभिनेत्री साई पल्लवी जल्द ही फिल्म 'रामायण' में मां सीता के किरदार में नजर आएंगी। इस किरदार को निभाना उनके लिए सिर्फ एक फिल्म का हिस्सा बनने जैसा नहीं बल्कि एक बड़ी जिम्मेदारी है। साई पल्लवी ने बताया कि इस सम्मानित किरदार को पूरी गरिमा के साथ पर्दे पर उतारने के लिए उन्होंने मेडिटेशन का सहारा लिया। उनका मानना है कि यह फिल्म सिर्फ एक सिनेमाई अनुभव नहीं होगी बल्कि इतिहास का हिस्सा बनेगी, जिसे आने वाली पीढ़ियां भी देखेंगी। साई पल्लवी हाल ही में लोकप्रिय क्विज रियलिटी शो 'कौन बनेगा करोड़पति' में पहुंचीं। यहां उन्होंने शो के होस्ट और मेगास्टार अमिताभ बच्चन के साथ बातचीत के दौरान सीता मां का किरदार निभाने की अपनी तैयारी के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि इस भूमिका को लेकर उनके मन में काफी सम्मान और जिम्मेदारी का भाव था। वह चाहती थीं कि इस किरदार को निभाते समय किसी तरह की बाधा न आए और वह इसे पूरी गरिमा के साथ पर्दे पर उतार सकें।

साई ने कहा, ''इस किरदार के लिए मैंने सिर्फ प्रार्थना की। मैंने भगवान से यही मांगा कि इसे निभाने के दौरान मेरे सामने जितनी भी मुश्किलें आएं, वे दूर हो जाएं। हम जो फिल्म बना रहे हैं, वह सिर्फ एक फिल्म नहीं है बल्कि इतिहास का हिस्सा भी बनेगी। आने वाली पीढ़ियां और भविष्य के लोग भी इसे देखेंगे। उस समय हममें से कोई यहां नहीं होगा लेकिन फिल्म रहेगी। इसलिए उस किरदार में गरिमा होनी चाहिए। इसी वजह से मैं इस भूमिका के लिए सिर्फ प्रार्थना कर रही थी।'' अभिनेत्री ने बताया कि सीता मां का किरदार निभाते हुए उन्होंने मेडिटेशन को अपनी दिनचर्या का



हिस्सा बनाया। इससे उन्हें अपने विचारों को शांत रखने और मुश्किल परिस्थितियों में खुद को संभालने में मदद मिली।

साई ने कहा, ''असल में मेडिटेशन न करने पर मेरे मन में और ज्यादा विचार आने लगते हैं। इसलिए सीता मां का किरदार निभाते समय भी मैं ज्यादातर मेडिटेशन करती थी। इस भूमिका से मैंने सीखा कि जब भी आप किसी तनावपूर्ण स्थिति में हों, तो उस पर तुरंत प्रतिक्रिया देने के बजाय उसे सिर्फ देखना और समझना चाहिए। जब भी मेरे सामने कोई मुश्किल या तनावपूर्ण स्थिति आती थी, तो मैं सोचती थी कि सीता मां ऐसी परिस्थिति में कैसे प्रतिक्रिया देतीं। मुझे लगता है कि उनके किरदार से मैंने यही सबसे बड़ी बात सीखी है।''

गौरतलब है कि फिल्म 'रामायण' का निर्देशन नितेश तिवारी कर रहे हैं। फिल्म में रणबीर कपूर भगवान राम की भूमिका में नजर आएंगे जबकि रवि दुबे भगवान लक्ष्मण का किरदार निभा रहे हैं। वहीं, साई पल्लवी मां सीता की भूमिका में दिखाई देंगी। फिल्म को लेकर दर्शकों के बीच पहले से ही काफी उत्सुकता है। फिल्म 5 नवंबर को रिलीज होने वाली है।



रोमांटिक कॉमेडी 'पारिवारिक मनोरंजन' में पंकज त्रिपाठी के साथ नजर आएंगी अदिति राव हैदरी

अभिनेत्री अदिति राव हैदरी आगामी पारिवारिक रोमांटिक कॉमेडी फिल्म 'पारिवारिक मनोरंजन' में अभिनेता पंकज त्रिपाठी के साथ नजर आएंगी। अभिनेत्री ने बताया कि को-स्टार पंकज त्रिपाठी के साथ काम करना उनके मजेदार अनुभवों में से एक रहा। अभिनेत्री का कहना है कि पंकज त्रिपाठी का सहज ह्यूमर सीन को हल्का और मजेदार बनाने में मदद करता है। अदिति राव हैदरी ने कहा, 'पंकज जी के साथ पहली बार स्क्रीन शेयर करना सच में बहुत खुशी की बात थी। उनका ह्यूमर इतना सहज और नेचुरल है कि हर सीन हल्का और ज्यादा मजेदार लगने लगा।' अभिनेत्री इस फिल्म में 'हेलेन' नाम का किरदार निभा रही हैं, जो एक प्रॉपर्टी मैनेजर और हाउसकीपर के रूप में रंजन के घर आती हैं। अपने किरदार के बारे में बात करते हुए अभिनेत्री अदिति राव हैदरी ने कहा, 'यह एक ऐसी फिल्म है, जिसमें हमारे दर्शकों को रोमांस, ह्यूमर और फैमिली ड्रामा देखने को मिलेगा। यह एक ऐसी फिल्म है, जिसे हमारे दर्शक चाहने वालों के साथ देखना पसंद करेंगे। मुझे इस किरदार के साथ काम करने में बहुत मजा आया है। उसकी खूबियों को और वो अपने आसपास के लोगों से कैसे जुड़ती है, ये सब खोजने में।' वहीं, पंकज त्रिपाठी ने फिल्म को लेकर कहा, 'मुझे इस फिल्म में इसकी सादगी, किरदारों का असल जिंदगी से जुड़ा होना और ह्यूमर के छोटे-छोटे पल बहुत पसंद आए, जो फैमिली स्टोरीज को खास बनाते हैं। इसमें परिवार की गर्मजोशी है, थोड़ा रोमांस है और वो मजा है जो इसे त्योहारों में देखने के लिए परफेक्ट बनाता है। इस फिल्म का हिस्सा बनकर मुझे बहुत अच्छा लगा और मैं चाहता हूं कि दर्शक भी अपने चाहने वालों के साथ इस फिल्म को एन्जॉय करें।' यह फिल्म एक फैमिली एंटरटेनर है, जिसमें रोमांस, ह्यूमर और फैमिली ड्रामा का तड़का है। फिल्म का मकसद त्योहारों के मौके पर दर्शकों को एक हल्की-फुल्की फिल्म देना है, जिसे वे अपने परिवार के साथ एन्जॉय कर सकें।



क्या पलक-इब्राहिम का हुआ ब्रेकअप

साथ करने वाले थे शूट, फिर किया रद्द

पलक तिवारी और इब्राहिम अली खान अक्सर एक-दूसरे के साथ स्पॉट किए गए हैं। खबरों के मुताबिक दोनों 3 साल से एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। लेकिन अब खबरें सामने आ रही हैं कि दोनों ने अपने रास्ते अलग कर लिए हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, दोनों ने आपसी सहमति से अलग होने का फैसला किया है। बताया जा रहा है कि इस रिश्ते को खत्म करने का फैसला इब्राहिम की तरफ से लिया गया। इतना ही नहीं, दोनों के साथ होने वाले कुछ शूट भी या तो रद्द कर दिए गए हैं या फिलहाल रोक दिए गए हैं। हालांकि, अभी तक पलक और इब्राहिम में से किसी ने भी इस खबर पर आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा है। बातचीत में एक सूत्र ने बताया कि दोनों के अलग होने की असली वजह के बारे में किसी को जानकारी नहीं है। हालांकि, उनका ब्रेकअप आपसी सहमति से हुआ है। दोनों इस मामले को सार्वजनिक नहीं करना चाहते हैं। फिलहाल पलक और इब्राहिम अपना पूरा ध्यान अपने-अपने करियर पर लगाना चाहते हैं।

कैसे शुरू हुई थी पलक और इब्राहिम के अफेयर की चर्चा?

पलक तिवारी और इब्राहिम अली खान के अफेयर की खबरें साल 2022 में सामने आई थीं। दोनों को पहली बार मुंबई के एक रेस्टोरेंट के बाहर साथ देखा गया था। इस दौरान पलक पैपराजी से अपना चेहरा छिपाती नजर आई थीं। इसके बाद से ही दोनों के रिश्ते को लेकर चर्चाएं शुरू हो गई थीं। समय के साथ दोनों को कई मौकों पर एक साथ देखा गया। यहां तक कि दोनों के साथ छुट्टियां मनाने की खबरें भी सामने आईं। हालांकि, पलक और इब्राहिम ने कभी भी अपने रिश्ते को सार्वजनिक रूप से स्वीकार नहीं किया। अब दोनों के अलग होने की खबरों ने एक बार फिर उनके रिश्ते को चर्चा में ला दिया है।





स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।